● सीधी, सिंगरौली,मऊगंज, रीवा एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित ● website-https://vindhyatiger.in ● epaper-https://epaper.vindhyatiger.in ● वर्ष : 37, अंक 114, पृष्ठ : 08, सीधी, शनिवार , 31 मई 2025 - मूल्य : 2.00 रुपया मात्र

दैनिक समाचार पत्र

विन्ध्य टाइगर

हक की बात, बुलंदी के साथ

कांग्रेस पर फिर बरसे सांसद निशिकांत दुबे 5

आरसीबी के सुयश की बेहतरीन गेंदबाजी 6

भारत हर आतंकी हमले का करारा जवाब देगा : पीएम

पीएम बोले- धोखे में न रहे गिड़गिड़ाने वाले दुश्मन, अभी जारी है ऑपरेशन सिंदूर

कानपुर। पहलगाम में कानपुर के बेटे शुभम द्विवेदी के साथ हुई बर्बरता और उसकी पत्नी ऐशान्या की पीड़ा हम सब महसूस करते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो दुश्मन गिड़गिड़ा रहा था, वह किसी धोखे में न रहे। ऑपरेशन अभी खत्म नहीं हुआ है। भारत ने आतंक के खिलाफ लड़ाई में तीन सूत्र तय किए हैं। भारत हर आतंकी हमले का करारा जवाब देगा, उसका समय, तरीका और शर्तें हमारी सेनाएं खुद तय करेंगी। भारत अब एटम बम की गीदड़ भभकी से नहीं डरेगा और न ही उसके आधार पर कोई फैसला लेगा। आतंक के आका और आतंक की सरपरस्त सरकार को भारत एक ही नजर से देखेगा। अगर मैं कनपुरिया अंदाज में कहूं तो दुश्मन कहीं भी हो हौंक (पीटने

के लिए कानपुर में प्रचलित शब्द) दिया जाएगा।

ये बातें शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सीएसए परिसर में आयोजित जनसभा में कहीं। वह यहां 47573.89 करोड़ की 15 योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने आए थे। उन्होंने हरी झंडी दिखाकर कानपुर मेट्रो रेल विस्तार की परियोजना का शुभारंभ किया। इसके बाद ट्रेन ने नयागंज से सेंट्रल तक का अपना पहला सफर किया। उन्होंने कहा कि पहलगाम के कायराना हमले में कानपुर का बेटा शुभम द्विवेदी भी बर्बरता का शिकार हुआ। उसका आक्रोश हम सब महसूस कर सकते हैं। हमारी बहनों-बेटियों का वही आक्रोश ऑपरेशन सिंदूर के रूप में पूरी दुनिया ने देखा है। हमने पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकाने घर में घुसकर सैकड़ों मील अंदर जाकर तबाह कर दिए। हमारी सेना ने ऐसा पराक्रम किया कि पाकिस्तानी सेना को गिड़गिड़ा कर युद्ध रोकने की मांग करने पर मजबूर होना पड़ा। कहा कि स्वतंत्रता संग्राम की इस धरती से मैं सेना के शौर्य को बार-बार सैल्यूट करता हूं। मैं फिर कहना चाहता हूं कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जो दुश्मन गिड़गिड़ा रहा था, वह किसी धोखे में न रहे। ऑपरेशन अभी खत्म नहीं हुआ है।

सीएसए मैदान में 30 मिनट के अपने संबोधन में प्रधानमंत्री ने शहर के विकास और देश के शौर्य का संदेश दिया। योजनाओं का लोकार्पण करते हुए कहा कि आज कानपुर मेट्रो की ऑरेंज लाइन का विस्तार हो गया। पहले एलिवेटेड और अब अंडरग्राउंड। जो इन्फ्रास्ट्रक्चर, सुविधाएं, संसाधन मेट्रो सिटी में होते हैं, वह सब अपने कानपुर में भी दिखने लगे हैं। कानपुर मेट्रो इस बात का सबूत है कि अगर सही इरादों, मजबूत इच्छाशक्ति और नेक-नीयत वाली सरकार हो, तो देश और प्रदेश के विकास के लिए ईमानदारी से प्रयास होते हैं। पहले जिस यूपी की पहचान टूटी सड़कों और गड्ढों से होती थी, आज एक्सप्रेसवे से हो रही है। यूपी कैसे बदला है, ये कानपुर वालों से बेहतर कौन जानता है। कुछ दिनों में कानपुर लखनऊ एक्सप्रेसवे बनने से यह सफर 40 से 45 मिनट में पूरा होगा। ये पूरे उत्तर प्रदेश के लिए गर्व की बात है कि वो डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भरता में बड़ी भूमिका निभा रहा है।

31 मई को एक अद्वितीय इतिहास रचा जाएगा : डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि यह बदलते दौर का भारत है। देश विकास की नई परिभाषा लिख रहा है। देश के विकास में महिलाओं की भी पूरी भागीदारी है। उन्होंने कहा कि सशक्त महिला ही विकसित समाज की धुरी होती है। शनिवार 31 मई को होने वाला विशाल महासम्मेलन नारी शक्ति को समर्पित है और इसके माध्यम से प्रदेश में महिलाओं के कौशल और उनके योगदान को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन के रूप में इस दिन एक अद्वितीय इतिहास रचा जाएगा, जब इस पूरे महासम्मेलन की सभी व्यवस्थाओं का संचालन महिलाएं ही करेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार की शाम जंबूरी मैदान में महासम्मेलन के प्रबंधन में संलग्न महिला शक्ति को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने यहां लोकमाता देवी अहिल्याबाई महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन की सभी

तैयारियों का बारीकी से निरीक्षण किया। साथ ही कार्यक्रम स्थल पर आयोजित प्रदर्शनी की रूपरेखा और व्यवस्थाओं का भी मुआयना किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पहुंचकर आयोजन की तैयारियों के लिए नियुक्त की गई महिलाओं से चर्चा की, उन्हें मार्गदर्शन दिया और इस महासम्मेलन के आयोजन की बड़ी जिम्मेदारी निभाने के लिए उनका उत्साहवर्धन भी किया। उन्होंने कहा कि देवी अहिल्याबाई के सम्मान में दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के महानायक श्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को स्वयं भोपाल आ रहे हैं। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री मोदी मध्यप्रदेश को कई सौगातें भी देंगे। इसलिए कार्यक्रम की व्यवस्थाओं में कोई कमी नहीं रहे। सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह चाक-चौबंद रहें और जिन्हें जो कार्य दिया गया है, वे पूरी जिम्मेदारी और लगन से उसका निर्वहन करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने महिलाओं को रानी दुर्गावती, लोकमाता देवी अहिल्याबाई और रानी लक्ष्मी बाई के बारे में रोचक जानकारियां देते हुए कहा कि हमारी मातृशक्ति ने न केवल शासन चलाया वरन् देश के लिए सर्वस्व न्यौछावर भी कर दिया।

पुंछ पीड़ितों से मिले अमित शाह, मृतकों के परिवारों को दी सरकारी नौकरी की सौगात

जम्मू। गृह मंत्री अमित शाह ने पुंछ नगर स्थित डाक बंगला में पाकिस्तानी गोलाबारी में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों और घायलों से मिले। इस दौरान उन्होंने मृतकों के परिजनों को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र प्रदान किए। अमित शाह ने कहा कि जम्मू कश्मीर का विकास रुकेगा नहीं थमेगा नहीं। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर सरकार ने नॉर्म्स के हिसाब से सहायता कर दी है और भारत सरकार भी व्यापारिक संस्थानों में हुई क्षति के लिए एक पैकेज लेकर आएगी। उन्होंने जम्मू कश्मीर के प्रशासन और सुरक्षा बलों की सराहना की और कहा कि वे हर चीज का जवाब देने के लिए सक्षम हैं। अमित शाह ने कहा कि तीन दिन की आफत में प्रशासन जनता के साथ खड़ा हुआ था और एक प्रशासनिक अधिकारी को भी अपना बलिदान देना पड़ा। इससे पहले कल गृहमंत्री ने अमरनाथ यात्रा की सुरक्षा, आतंकवाद के सफाए, घुसपैठ पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए राजभवन जम्मू में उच्च स्तरीय बैठक की थी। गृहमंत्री ने कहा है कि सरकार की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति है।

सीबीआई ने ईडी के उप निदेशक को किया गिरफ्तार

भुवनेश्वर। सीबीआई ने ओडिशा में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के एक उप निदेशक को गिरफ्तार किया है। अधिकारी पर भुवनेश्वर के एक व्यवसायी से 20 लाख रुपये की रिश्वत लेने का आरोप है। अफसरों ने बताया कि ईडी के उपनिदेशक चिंतन रघुवंशी ने ढेंकनाल में पत्थर खनन का कारोबार करने वाले व्यवसायी रतिकांत राउत से उनके खिलाफ दर्ज ईडी के एक मामले में राहत दिलाने के लिए कथित तौर पर पांच करोड़ रुपये की मांग की थी। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई को सूचना मिली थी कि रघुवंशी व्यापारी राउत से रिश्वत की पहली किस्त लेने जा रहा है।

कृषि में तकनीक अपनाकर उत्पादन बढ़ाएं : गडकरी

केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का किसानों को संदेश

नागपुर। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कृषि तकनीकों के विकास पर जोर दिया। इसके लिए उन्होंने किसानों से आपस में सहयोग कर कृषि तकनीकों का विकास करने और उत्पादन बढ़ाने की अपील की। नितिन गडकरी ने कहा कि नई तकनीकों को अपनाकर खेती की लागत घटाई जा सकती है और गुणवत्ता में सुधार लाया जा सकता है। बता दें कि गडकरी नागपुर में आयोजित बायोचार उत्पादन प्रदर्शन एवं प्रशिक्षण कार्यशाला में किसानों को संबोधित कर रहे थे। यह कार्यक्रम एग्रोविजन फाउंडेशन की तरफ से

आयोजित किया गया था, गडकरी जिसके मुख्य संरक्षक हैं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने कहा कि गांवों और क्षेत्रों में जो किसान उन्नत तरीके से खेती कर रहे हैं, उन्हें आगे बढ़कर अन्य किसानों का मार्गदर्शन करना चाहिए और खेती के नए तरीके सिखाने चाहिए जिससे उत्पादन बढ़ाया जा सके। साथ ही उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि जैसे मिट्टी में कार्बन की मात्रा बढ़ाने से जमीन की गुणवत्ता बेहतर होती है, वैसे ही नई तकनीकें अपनाकर किसान कम लागत में ज्यादा गुणवत्ता वाला उत्पादन कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री ने हिन्दी पत्रकारिता दिवस की बधाई और शुभकामनाएं दीं

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हिन्दी पत्रकारिता दिवस की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी पत्रकारिता गरीब, वंचित, कमजोर वर्ग के कल्याण के साथ लोकतंत्र की सुदृढ़ता और देश की प्रगति के लिए समर्पित है। हिन्दी पत्रकारिता ने ऐसे अनमोल रत्न प्रदान किए हैं, जिन्होंने पत्रकारिता जगत के साथ हिंदी साहित्य को भी समृद्ध किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पत्रकारिता जगत के सभी बंधुओं को अपने कर्तव्य निर्वहन से नए प्रतिमान स्थापित करने के लिए शुभकामनाएं दीं।

प्रयागराज में तेजस राजधानी एक्सप्रेस को पलटाने की साजिश नाकाम

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे के भीरपुर और मेजा रेलवे स्टेशन के बीच तेजस राजधानी एक्सप्रेस ट्रेन को पलटाने की साजिश नाकाम हो गई। ट्रेन आने के पहले रेलवे ट्रैक पर बड़े-बड़े बोल्डर रख दिए गए। घटना को रात में अंजाम दिया गया। लोको पायलट की सतर्कता से हादसा टल गया। सूचना पाकर छिवकी से पहुंची आरपीएफ पुलिस ने छानबीन की। इसके चलते 10 मिनट तक ट्रेन को रोकना पड़ा। इस मामले में अज्ञात अराजकतत्वों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। तेजस राजधानी एक्सप्रेस के रेलवे ट्रैक पर अराजक तत्व ने देर रात बोल्डर रख दिया। इसकी जानकारी होने पर लोको पायलट ने भीरपुर और मेजा रोड रेलवे स्टेशन के बीच ट्रेन रोक दी और इसकी सूचना अधिकारियों को दी। जानकारी मिलते ही महकमे में खलबली मच गई। आरपीएफ के साथ तमाम अधिकारी मौके पर पहुंच गए। छिवकी से पहुंची आरपीएफ ने सघन जांच की।

दिल्ली सरकार का 100 दिन का रिपोर्ट कार्ड

सीएम बोलीं- महिला कल्याण निधि योजना वन टाइम नहीं, इसे जल्द लागू करेंगे

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा है कि महिला कल्याण निधि देने के लिए पात्र महिलाओं को चुना जा रहा है, यह वन टाइम योजना नहीं है, इसपर गंभीरता से काम चल रहा है। इसे हम गंभीरता के साथ बहुत जल्द लॉन्च करेंगे। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को दिल्ली सचिवालय में एक विशेष कार्यक्रम आयोजित कर अपने 100 दिन के कामकाज की वर्क बुक लॉन्च की। एक पंपलेट भी लॉन्च किया, जिसके माध्यम से दिल्ली सरकार के

मंत्री, विधायक, पार्षद 70 विधानसभाओं में जाकर 100 दिन में सरकार के किए काम को बताएंगे। इस मौके पर कैबिनेट मंत्री आशीष सूद, कपिल मिश्रा, रविंद्र इंद्राज सिंह, दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के सभी मंत्रियों, विधायकों, अधिकारियों को बधाई, सबने 100 दिन में बहुत काम किया। उन्होंने सरकार की वर्क बुक लॉन्च की। उन्होंने कहा कि ये किताब रिपोर्ट कार्ड नहीं, सरकार की वर्क बुक है, इसमें वे काम हैं जो आगे भी बढ़ते जाएंगे। इसे हम 70 विधानसभाओं में जाएंगे, मंत्री विधायक, पार्षद जनता के बीच जाकर सरकार के प्रयासों का ब्योरा देंगे। सरकार ने एक पंपलेट भी छपवाया है, इसमें सरकार के 100 दिन के कामकाज का ब्योरा है, इसको हर घर तक हम पहुंचाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शनिवार को जेएलएन स्टेडियम में भी एक कार्यक्रम आयोजित कर सरकार के काम काज का ब्योरा देंगे। पिछली सरकार नाम करने वाली सरकार थी, ये काम करने वाली सरकार है, हम काम करने वाले लोग हैं।

पीएम आज लोकमाता देवी अहिल्याबाई महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में करेंगे शिरकत

भोपाल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी शनिवार 31 मई को लोकमाता देवी अहिल्या बाई की 300 वी जयंती पर भोपाल में महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में शामिल होंगे। भोपाल के जम्बूरी मैदान में आयोजित महा सम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री मोदी इंदौर मेट्रो तथा सतना एवं दतिया एयरपोर्ट का वर्चुअल लोकार्पण करेंगे। इसके अलावा प्रधानमंत्री क्षिप्रा नदी पर 778 करोड के घाट निर्माण कार्यों का वर्चुअल भूमिपूजन करेंगे। प्रधानमंत्री श्री मोदी 483 करोड़ लागत के 1271 नवीन अटल ग्राम सेवा सदन (पंचायत भवन) की पहली किश्त का अंतरण भी करेंगे। उक्त महासम्मेलन में राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केन्द्रीय संस्कृति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत शामिल रहेंगे। इस महासम्मेलन के आयोजन में केन्द्रीय संस्कृति मंत्रालय का भी महत्वपूर्ण समन्वय है। महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी लोकमाता देवी अहिल्या बाई को समर्पित डाक टिकट और सिक्का जारी करेंगे।

बिहार में उच्च जाति और अनुसूचित जनजाति आयोगों का पुनर्गठन

पटना। बिहार सरकार ने सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से एक महत्वपूर्ण अधिसूचना जारी करते हुए उच्च जातियों और अनुसूचित जनजाति के कल्याण से जुड़े दो अहम आयोगों का पुनर्गठन कर दिया है। अधिसूचना के अनुसार, भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री महाचंद्र प्रसाद सिंह को उच्च जाति आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इस आयोग में जदयू नेता राजीव रंजन प्रसाद को उपाध्यक्ष बनाया गया है। जबकि दयानंद राय, जय कृष्ण झा और राजकुमार सिंह को सदस्य नियुक्त किया गया है। आयोग के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सदस्यों का कार्यकाल पदभार ग्रहण करने की तिथि से तीन वर्षों के लिए निर्धारित किया गया है।

सरकारी इंजीनियर के फ्लैट से दो करोड़ की नकदी बरामद

भुवनेश्वर। ओडिशा में विजिलेंस अफसरों ने शुक्रवार को एक सरकारी इंजीनियर के दो फ्लैट से दो करोड़ रुपये नकदी और आभूषण बरामद किए। आय से अधिक संपत्ति मामले में जांच को पहुंची टीम ने जब इंजीनियर के फ्लैट को खंगाला तो नोटों के बंडल मिलने शुरू हो गए। इस बीच इंजीनियर ने अफसरों को आता देख खिड़की से 500-500 रुपये के नोटों के बंडल फेंकने शुरू कर दिए। हालांकि बाद में इनको बरामद कर लिया गया। अफसरों की जांच जारी है।

शुक्रवार को ओडिशा पुलिस की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा और सतर्कता विभाग ने भुवनेश्वर के प्लान रोड्स आरडब्ल्यू डिवीजन के मुख्य अभियंता बैकुंठ नाथ सारंगी के आवास और कार्यालय पर छापेमारी की। इस दौरान उनके भुवनेश्वर स्थित फ्लैट से करीब एक करोड़ रुपये नकद बरामद किए गए, जबकि सारंगी के अंगुल स्थित आवास से 1.1 करोड़ रुपये बरामद किए गए। अफसरों ने बताया कि सतर्कता अधिकारियों को देखते ही सारंगी ने भुवनेश्वर स्थित अपने फ्लैट की खिड़की से 500 रुपये के नोटों के बंडल फेंक दिए। गवाहों की मौजूदगी में नकदी बरामद की गई। सारंगी पर आय से अधिक संपत्ति रखने का आरोप लगाया गया था। विशेष न्यायाधीश विजिलेंस की ओर से वारंट जारी किए जाने के बाद एक साथ छापेमारी की जा रही है।

भारत अब सहन नहीं करता, सीधा जवाब देता है : राजनाथ

पणजी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह शुक्रवार को आईएनएस विक्रांत पर पहुंचे। यहां उन्होंने नौसैनिकों से मुलाकात की और उनके साथ तस्वीरें खिंचवाईं। उन्होंने नौसैनिकों को संबोधित भी किया। उन्होंने कहा कि आज आईएनएस विक्रांत पर अपने नौसैन्य योद्धाओं के बीच आकर मुझे बड़ी खुशी हो रही है। जब मैं भारत की समुद्री शक्ति के गौरव आईएनएस विक्रांत पर खड़ा हूं, तो मेरे अंदर खुशी के साथ-साथ एक गर्व और विश्वास का भाव भी है कि जब तक राष्ट्र की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा आपके मजबूत हाथों में है, तब तक भारत को कोई तिरछी निगाहों से देख नहीं सकता।

वैसे भी 'विक्रांत' का अर्थ ही होता है- अदम्य साहस, और अपराजेय शक्ति। आज आप सभी जांबाजों के बीच खड़े होकर मैं इस नाम के अर्थ को साकार होता देख रहा हूं। आपकी आंखों में जो दृढ़ता है, उसमें भारत की असली शक्ति झलकती है। राजनाथ ने कहा, आज मैं यहां केवल रक्षा मंत्री के नाते नहीं आया हूं, बल्कि मैं यहां एक कृतज्ञ भारतीय के रूप में आया हूं। मैं आपके समर्पण को नमन करने, आपके शौर्य को सराहने और आपके परिश्रम को सलाम करने आया हूं। मैं आप सभी को ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर बधाई देता हूं। पहलगाम में हुए कायराना आतंकी हमले के बाद, जब भारत ने 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू किया, तो हमारे सशस्त्र बलों ने जिस गति, गहराई और स्पष्टता के साथ कार्रवाई की, वह अद्भुत था। उसने न केवल आतंकवादियों को, बल्कि उन्हें पालने-पोसने वाले सरपरस्तों को भी स्पष्ट संदेश दे दिया, कि भारत अब सहन नहीं करता, भारत अब सीधा जवाब देता है।

उन्होंने कहा कि महज कुछ ही समय में हमने पाकिस्तान के आतंकी अड्डे और उसके इरादों को ध्वस्त कर दिया। हमारा प्रहार इतना तगड़ा था कि पाकिस्तान पूरी दुनिया से भारत को रोकने की गुहार लगाने लग गया। अंत में हमने अपनी शर्तों पर मैं फिर दुहरा रहा हूं, हमने अपनी शर्तों पर अपनी सैन्य कार्रवाई को रोका है। अभी तो हमारी सेनाओं ने अपनी आस्तीनें पूरी मोड़ी भी नहीं थी, अभी तो हमने अपना पराक्रम दिखाना शुरू भी नहीं किया था। इस पूरे एकीकृत संचालन में नौसेना की भूमिका गौरवशाली रही है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान जब वायु सेना ने पाकिस्तान की धरती पर आतंक के अड्डों को ध्वस्त किया, तब अरब सागर में आपकी आक्रामक तैनाती, बेजोड़ समुद्री डोमेन जागरूकता और समुद्री वर्चस्व ने पाकिस्तानी नौसेना को उसके ही तटों के पास सीमित कर दिया।

मजदूरों के साथ अत्याचार, कम वेतन में 8 की जगह 12 घंटे तक करवा रहे काम !

अदाणी में काम कर रही वैराशिटी कोल ट्रांसपोर्टर की मनमानी, ड्राइवर से आठ के बजाए 12 घंटे तक चलवा रहे गाड़ियां, श्रम कानून क्यों उड़ा रहे धज्जियां

सिंगरौली। अदाणी कंपनी में कोल ट्रांसपोर्ट का काम कर रही एक निजी कंपनी मजदूरों सहित ड्राइवरों से 8 घंटे के बजाए 12 घंटे तक काम ले रही हैं। कोयला ट्रांसपोर्ट होने वाले कार्यों में शोषण इतना अधिक है कि ठेका मजदूरों को 500-600 रुपए वेतन दिया जा रहा है। वही पर ट्रिप पर बोनस देने का ड्राइवर को लालच दिया जाता है। जिसके चलते आए दिन सड़क हादसे हो रहे हैं। कोयला ट्रांसपोर्टर श्रम कानून की धज्जियां उड़ा रहे हैं।

मिली जानकारी के अनुसार अडाणी कंपनी में वैराशिटी कोल ट्रांसपोर्टर कोयल का ट्रांसपोर्ट करती है। सूत्र बताते हैं कि कंपनी के पास करीब 300 गाड़ियों से कोयल का परिवहन किया जाता है। ट्रांसपोर्टर ड्राइवरों से 8 घंटे काम लेने के बजाय 12 घंटे काम कराया जा रहा है। साथ ही ड्राइवर को कम वेतन देने की बात सामने आ रही है। ड्राइवर के शोषण होने की शिकायत के बाद भी प्रशासन गंभीरता सिंह नहीं लेता। बताया जा रहा है कि कोल ट्रांसपोर्टिंग करने वाली कंपनियां ड्राइवर को कम सैलरी देते हैं। हालांकि ज्यादा ट्रिप लगाने पर बोनस का लालच दिया जाता है, ताकि ड्राइवर अधिक फेरे लगाएं। वहीं अधिक फेरे लगाने के चक्कर में ड्राइवर न केवल कोल वाहनों को तेज स्पीड से निकलते हैं, बल्कि थकान और नींद आने के बाद भी एक दो चक्कर लगाने का जोखिम उठाते हैं। जिससे आए दिन सड़क हादसे भी हो रहे हैं।

ड्राइवर को नहीं मिलता पीएफ

कोयला खान भविष्य निधि संगठन के पास खान निरीक्षकों की कमी है। इस कारण कोयला खदानों में पहुंचकर निरीक्षक यह पड़ताल नहीं करता है कि आउटसोर्सिंग की कंपनियों में संविदा मजदूरों की संख्या कितनी है। इन मजदूरों को रोजाना कितना रुपए मजदूरी मिल रहा है। इन्हें भविष्य निधि संगठन का सदस्य बनाया गया है या नहीं, अगर हां तो उनका पीएफ नंबर कितना है और उनके भविष्य निधि में खाते में राशि जमा हो रही है या नहीं।

श्रम कानून की उड़ा रहे धज्जियां

कोयला उद्योग में ठेका मजदूरों की स्थिति को लेकर हाल में ही एक रिपोर्ट आई है। इसमें बताया है कि अलग-अलग कोयला खदानों में काम करने वाले लगभग 65 फीसदी संविदा मजदूरों को कोल इंडिया की सामाजिक सुरक्षा योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। ड्राइवर को ना तो साप्ताहिक छुट्टियां मिल रही और ना ही पीएफ काटा जा रहा। श्रम विभाग के आदेश के बाद भी श्रम कानून के विपरीत अधिक समय तक ड्यूटी करने के लिए मजबूर किया जा रहा।

राशि प्राप्त करने के बावजूद आवासो को निर्माण नही करने वाले हितग्राहियो के अचल सम्पत्ति को कुर्क होगी

राशि की वसूली, नोटिस जारी

सिंगरौली। प्रधानमंत्री आवास शहरी के ऐसे लाभान्वित हितग्राहियों जिनके द्वारा राशि प्राप्त होने के बावजूद भी अपने आवास का निर्माण कार्य पूर्ण नही कराया गया है। ऐसे हितग्राहियों से आवास निर्माण के लिए आवंटित राशि की वसूली उनके अचल सम्पत्ति को कुर्क कर की जायेगी।

ननि आयुक्त डीके शर्मा ने बतया कि ऐसे हितग्राहियों को बार-बार आवास निर्माण के लिए प्रेरित किया गया । कई बार समझाइस भी दी गई की शासन द्वारा यह राशि आवास निर्माण के लिए भेजी गई। उक्त राशि का उपयोग केवल आवास निर्माण के लिए ही किया जाना है, किंतु हितग्राहियों द्वारा शासन से अनुदान राशि प्राप्त करने के पश्चात भी भवन का निर्माण पूर्ण नही किये जाने से, ऐसे हितग्राहियों को चिन्हित कर उनके विरूद्ध राशि वसूली की नोटिस जारी की गई है।

निगमायुक्त के द्वारा हितग्राही छोटे लाल कुशवाहा पिता बंसी लाल कुशवाहा निवासी वार्ड क्रमांक 28, गोविंद प्रसाद साकेत पिता बंसीलाल साकेत निवासी वार्ड 28, जीतलाल कुशवाहा पिता राम चरण कुशवाहा, गंगा प्रसाद साकेत पिता बलराम साकेत, रामबृज कुशवाहा पिता सभापति कुशवाहा, गुलाबी साकेत पति अभिराम साकेत, प्रकाश नारायण दुबे पिता कमला प्रसाद दुबे, लाल चंद साकेत पिता बाबूलाल साकेत, राकेश कुमार पिता बलराम साकेत सहित अन्य को नोटिस जारी करते हुये आवास निर्माण के लिए निर्देशित किया गया। निगमायुक्त ने कहा कि दी गई समय सीमा में अगर उपरोक्त हितग्राहियों द्वारा आवास का निर्माण कार्य पूर्ण नही कराया गया, तो संबंधितो के अचल सम्पत्ति को कुर्क कर राशि वसूली की कार्यवाही की जायेंगी।

कसर पहाड़ी में मिला एक बुजुर्ग व्यक्ति का शव

सिंगरौली। बरगवां थाना क्षेत्र के खोड़वा बाबा हनुमान मंदिर के पास कसर पहाड़ी में एक करीब 60 साल बुजुर्ग का शव मिलने से सनसनी फैल गई। बुजुर्ग व्यक्ति की पहचान नही हो पाई है। पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार शैलेन्द्र सिंह कुशवाहा निवासी गोदवाली ने सूचना दिया कि बाबा हनुमान मंदिर के पास कसर पहाड़ी में एक करीब 60 साल का अज्ञात बुजुर्ग का शव पड़ा हुआ है। जिसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके से पहुंच शव को अपने कब्जे में लेकर मामले की जांच पड़ताल एवं शव का शिनाख्त कराने में लग गई है। बरगवां पुलिस के अनुसार मृतक के सर मूछ एवं दाढ़ी में बड़े-बड़े सफेद बाल हैं एवं गले में एक रुद्राक्ष की माला पहना हुआ है। टीआई राकेश साहू शव का पहचान कराने में लगे हुये हैं।

शा. आदर्श महाविद्यालय रंपा में मना देवी अहिल्याबाई होल्कर की जयंती

सिंगरौली। शासकीय आदर्श महाविद्यालय रंपा में आज दिन शुक्रवार 30 मई को उच्च शिक्षा विभाग म.प्र. एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. कुशराम के निर्देशन में महाविद्यालय में देवी अहिल्याबाई होल्कर की 300 जयंती मनाई गई।

इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी संकाय के छात्र छात्राएं पार्टिसिपेट किए। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन एनएसएस प्रभारी डॉ. गिरीश कुमार चतुर्वेदी के द्वारा किया गया मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. गोविंद बाथम प्राध्यापक इतिहास एवं सीमा चौरसिया प्राध्यापक समाजशास्त्र अपना देवी अहिल्याबाई पर विशेष व्याख्यान एवं उद्बोधन दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. केपी तिवारी, डॉ. अशोक गुप्ता, डॉ. अवधेश यादव, डॉ. मंगलनाथ तिवारी, लालमणि तिवारी, डॉ. लवी सिंह, डॉ. सुमन लता साकेत, कमलेश पाल, पलक जैन, राजेश शर्मा, राम लखन सहित अन्य छात्र-छात्राएं मौजूद रहे ।

शादी करने से इंकार करने पर युवक के खिलाफ दुराचार का मामला दर्ज

युवती के रिपोर्ट पर बरगवां पुलिस ने की कार्रवाई, आरोपी पुलिस के अभिरक्षा में

सिंगरौली

बरगवां थाना क्षेत्र के ग्राम दुधमनिया निवासी एक युवक शादी का झांसा देकर करीब तीन-चार से लगातार दुराचार करता रहा। युवक ने अंततः शादी करने से इंकार कर दिया। जहां पीड़िता बरगवां थाना पहुंच आरोपी के खिलाफ दुराचार का मामला पंजीबद्ध कराई है। पुलिस ने आरोपी के विरूद्ध दुराचार का मामला दर्ज करते हुये उसे अभिरक्षा में लेकर पूछतांछ कर रही है।

बरगवां पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार ग्राम दुधमनिया निवासी आरोपी विजय प्रताप सिंह गोड़ पिछले तीन -चार वर्षो से एक युवती को शादी का झांसा देकर कई बार अवैध संबंध बनाया और इस बीच आरोपी युवती से मोबाईल पर लगातार बातचीत भी करता रहा। पीड़िता के अनुसार 16 फरवरी 2022 के दिन सूने घर में पहुंच दुराचार किया था। उसके बाद विजय प्रताप सिंह शादी करने को कहकर मेरे साथ कई बार गलत काम किया है। विजय प्रताप सिंह अंतिम बार इसी महीने की 15 मई 25 को बन्दी के जंगल में मेरे साथ गलत काम किया है। अब विजय प्रताप सिंह मेरे साथ शादी करने से मना कर रहा है। जहां कल बीते दिन गुरूवार को युवती अपने माँ के साथ बरगवां थाना पहुंच आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट की। पुलिस ने आरोपी विजय प्रताप सिंह के खिलाफ बीएनएस की धारा 69 के तहत अपराध पंजीबद्ध करते हुये आरोपी को हिरासत में लेकर पूछतांछ करते हुये विवेचना शुरू कर दी है। फिलहाल बताया जा रहा है कि आरोपी रसूकदार है और उसकी पहुंच प्रदेश सत्ताधारी नेताओं के यहां तक है। हालांकि बरगवां पुलिस ने रिपोर्ट आते ही अपराध पंजीबद्ध कर लिया है।

इनका कहना

एक युवती ने विजय प्रताप सिंह के खिलाफ दुष्कृत करने का मामला दर्ज कराई है। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

राकेश साहू
निरीक्षक, थाना बरगवां

35 हजार सरसो, 1511 चना एवं 1890 क्विंटल मसूर की हुई खरीदी

सिंगरौली। जिले में समर्थन मूल्य के तहत सरसो, चना एवं मसूर की खरीदी का कार्य बीते दिन गुरूवार को पूर्ण हो गया। जिला विपणन अधिकारी के अनुसार जिले में 35 हजार 368 क्विंटल सरसो, 1890 क्विंटल मसूर एवं 1511 क्विंटल चने की खरीदी की गई है। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने समर्थन मूल्य के तहत जिले में बनाये गये खरीदी केन्द्रों में निर्धारित तिथि 29 मई तक किसानों से दलहनी एवं तिलहनी फसलों एवं अनाजों की खरीदी हुई। जहां सरसो 5950 रूपये प्रति क्विंटल के हिसाब से 1447 किसानों से 35 हजार 368 क्विंटल, चना 5650 रूपये प्रति क्विंटल के दर से 115 किसानों से कुल खरीदी 1511 क्विंटल की खरीदी हुई। साथ ही मसूर 6700 रूपये प्रति क्विंटल की दर से 118 किसानों से 1890 क्विंटल कुल खरीदी हुई है। बताया जा रहा है कि किसानों के खाते में समर्थन मूल्य के तहत खरीदी के गये अनाज के भुगतान राशि भी ट्रांसफर कर दी गई है।

एनटीपीसी सिंगरौली के जेम की बालिकाओं को मिला आत्म सुरक्षा का प्रशिक्षण

सिंगरौली। एनटीपीसी सिंगरौली के सीएसआर विभाग द्वारा आयोजित बालिका सशक्तीकरण कार्यक्रम के अंतर्गत स्थानीय कर्मचारी विकास केंद्र में सीआईएसएफ शक्तिनगर की महिला बल द्वारा जेम की बालिकाओं के लिए आत्मसुरक्षा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर का उद्देश्य बालिकाओं को आत्मनिर्भर बनाना, उनकी आत्मरक्षा क्षमता को बढ़ाना एवं उन्हें मानसिक रूप से सशक्त बनाना था। इस शिविर में सीआईएसएफ की महिला बल ने आत्मरक्षा के विभिन्न उपायों को नाट्य प्रदर्शन के माध्यम से प्रस्तुत किया।

एनटीपीसी विंध्याचल ने जीता इंटरनेशनल सेफ्टी अवॉर्ड

सिंगरौली। एनटीपीसी का विंध्याचल ताप विद्युत संयंत्र एक बार फिर सुर्खियों में है। संयंत्र को ब्रिटिश सेफ्टी काउंसिल द्वारा इंटरनेशनल सेफ्टी अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। यह पुरस्कार कार्यस्थल पर उत्कृष्ट सुरक्षा मानकों, स्वास्थ्य प्रबंधन और पर्यावरणीय जिम्मेदारी के लिए दिया जाता है।

यह वैश्विक मान्यता संयंत्र के कर्मचारियों, ठेकेदारों, विक्रेताओं और अन्य हितधारकों के संयुक्त प्रयासों का परिणाम है, जिन्होंने मिलकर एक सुरक्षित और सतत कार्य संस्कृति को बढ़ावा दिया। संयंत्र की सुरक्षा टीम द्वारा लागू की गई आधुनिक तकनीके, नियमित प्रशिक्षण और सतर्कता ने इसे इस मुकाम तक पहुँचाया है। पंकज कुमार जेठा अपर महाप्रबंधक एमएम ऑफ साइट और आशीष अग्रवाल अपर महाप्रबंधक सुरक्षा ने लंदन में आयोजित एक अंतर्राष्ट्रीय समारोह में यह पुरस्कार ग्रहण किया। यह सम्मान दर्शाता है कि एनटीपीसी विंध्याचल न केवल भारत में, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सुरक्षा के उच्चतम मानकों का पालन करता है।

माड़ा अंतर्गत पड़री खूँटाटोला में निकली भोलेनाथ की बारात

सिंगरौली। जिले के माड़ा थाना अंतर्गत पड़री खूँटा टोला में पूर्व सरपंच उदयराज सिंह ने शिव मंदिर का निर्माण पड़री खूँटा टोला में कराया है। जिसकी पाँच दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम चल रहा है।

जिसमें प्रयागराज से आए पूज्य सुनील शास्त्री एवं सुरेन्द्र शास्त्री द्वारा पूजन अर्चन कर बड़ी ही भव्यता के साथ चल रहा है ।

मंदिर के पुजारी संजीव सिंह ने आसपास के गाँव के सहित सैकड़ो लोगों को बारात में शामिल होने को बुलाया है । बारात में बैण्ड बाजा डीजे पर भोले नाथ के भजनो के साथ निकली है । आज चौथे दिन शुक्रवार को भगवान भोलेनाथ की बारात निकाली है। बारात गाँव से प्रमुख चौक-चौराहों से होकर गुजरते हुए न्यू मंदिर प्रांगण में पहुची। प्रयागराज से आये सुरेन्द्र शास्त्री ने विधि विधान से पूजन अर्चन का कार्य मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा में करा रहे हैं। गांव में हर्षोलाष का महौल बना हुआ है।

कार्यालय शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रीवा (म.प्र.)

खुली निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक / 363 दिनांक 27/05/2025

प्राचार्य शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय रीवा द्वारा निम्नलिखित पदों हेतु खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक निविदाकार महाविद्यालय के स्टोर शाखा में संपर्क कर विस्तृत विवरण प्राप्त कर सकते है। उक्त जानकारी वेबसाइड में mp.highereducation portel पर देखी जा सकती है। निविदा दिनांक 24/06/2025 अपरान्ह 05:30 बजे तक स्वीकार की जा जायेगी।

क्र.	सामगी का विवरण एवं मरम्मत
01	पीतल/फाइबर/डिजटल बोर्ड जिसमें पीतल की पट्टी लगी हो।
02	30 मीटर ऊंची स्टील पाइप में तिरंगे झण्डे स्टालेशन(खम्भे में झण्डा लगाकर निर्माण कार्य फिनिस करने तक)
03	इनवर्टर बैट्री/एसी रिपेरिंग/फ्रिज/ मिक्सी/ माइक्रोवेव कूलिंग उपकरण रिपेरिंग एवं सामग्री।
04	इलेक्ट्रानिक सामग्री एवं रिपेरिंग कार्य एवं अन्य सामग्री क्रय।
05	कारपेंटर दरवाजा खिड़की रिपेरिंग का कार्य एवं सामग्री क्रय कम्प्यूटर लैब फर्नीचर निर्माण का कार्य।
06	प्लबिंग मटेरियल रिपेरिंग एवं क्रय।
07	वाटर आरओ प्लांट एवं आर ओ से संबंधित सामग्री के क्रय एवं रिपेरिंग का कार्य।
08	फ्लैक्स/ बैनर/विनायल/पोस्टर/पत्र एवं मीडिया/ प्रचार सामग्री कार्य अलग-अलग आकार में क्रय महाविद्यालय में आयोजित होने वाले सेमिनार/ वर्कशाप/ विशेष व्याख्यान आदि में प्रयुक्त होने वाली सामग्री एवं सेवा। महाविद्यालय में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में फोटो एवं वीडियों ग्राफी का कार्य/ कास्ज्गि एवं एलवम क्रय।
09	नोटिस बोर्ड/दीवारों पर पेन्ट द्वारा लिखावट का कार्य/ बोर्ड एवं नेमप्लेट मेटल क्रय।
10	महाविद्यालय के सभी गार्डेन के रख-रखाव/ मौसमी पुष्पीय पौधे लगाने का कार्य/ औषधीय पौधे क्रय प्लास्टिक/सीमेन्ट स्टैण्ड सहित गमला क्रय/घड़ी/ग्रास कटर/ लेवलिंग मशीन गार्डेन कैची एवं गार्डेन से संबंधित समस्त सामग्री क्रय।
11	खेल संबंधी सामग्री व पुरूस्कार से संबंधित सामग्री हेतु।
12	महाविद्यालय में वार्षिक अंकेक्षण एवं महाविद्यालय में आयकर वित्तीय विवरण हेतु।
13	महाविद्यालय भवन मरम्मत का कार्य।
14	बायोमैट्रिक/ फोटो फेसिंग की मशीन क्रय एवं रिपेरिंग।
15	मेटल एवं मारबल मूर्तियों का क्रय।
16	बाड़/स्टील फ्रेमिंग फेसीग/ पोल/चैन सहित लोहे की जाली फेसिंग बाड़ के लिए सामग्री क्रय / निकल स्टल कार्य।
17	गार्डेन में सीमेन्ट/लोहे की बैठक चेयर/टीन शेड प्लास्टिक शेडो सामग्री क्रय।
18	पर्दा, झण्डा, डोरमेट, कारपेट, डेस्टबिन, डेस्टबिन स्टैण्ड क्राकरी आदि सामग्री क्रय।
19	सोफा/स्टील आलमारी/ मूविंग चेयर/ टेबल/स्टूल आदि सामग्री क्रय/ स्टील की कुर्सियां और बेंच 3 सीटर सहित।
20	इंटरनेट से संबंधित समस्त सामग्री क्रय।
21	मोटर पम्प 01 एच.पी. क्रय एवं रिपेरिंग।
22	बास्केटबाल/बेडमिंटन/बालीबॉल मैदान निर्माण एवं समतलीकरण।
23	पार्टीसन हेतु ग्लास एवं एलुमीनियम फ्रेम विथ ग्लास सहित।
24	महाविद्यालय के ग्रास कटर मशीन/सफाई मशीन/इलेक्ट्रानिक एवं मेनुअल।
25	इलेक्ट्रानिक टीवी, डिजिटल टीवी 65 इंच से 100 इंच क्रय एवं मरम्मत कार्य।
26	ड्रोन कैमरा 200 से 500 मीटर कूलर कैमरा हेतु निविदा।
27	महाविद्यालय के सुरक्षा गार्ड हेतु शासन द्वारा गान्य एजेंसी से निविदा।
28	सफाईकर्मी हेतु निविदा।

प्राचार्य
शासकीय कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय
रीवा (म.प्र.)

समिति प्रबंधक ने कोटेदार के बचाव में खुद दुकान खोलने पहुंचा छमरछ

हितग्राहियों से कहा मई माह का मैं करुंगा वितरण, ग्रामीणों ने कहा पहले मार्च व अप्रैल की करों वितरण, तब रफूचक्कर हो गया प्रबंधक

सिंगरौली। स्थानीय तहसील अन्तर्गत ग्राम पंचायत छमरछ राशन दुकान का भ्रष्टाचार की बात कही छुपी नहीं है। विगत दिवस सरपंच सहित ग्रामीणों ने कोटेदार द्वारा खाद्यान्न का वितरण न करने पर शिकायत किया था। शिकायत के बाद प्रशासनिक जांच टीम द्वारा विधिवत जांच की गई। जांच के दौरान भ्रष्टाचार के सारे तथ्य सामने आया।

दरअसल मामला ग्राम पंचायत छमरछ शासकीय उचित मूल्य दुकान की है। जहां विक्रेता द्वारा दो-तीन महीने का राशन ग्रामीणों का भुगतान नहीं किया था। ग्रामीणों का कहना है कि अंगुठा लगवा लिया जाता है और भुगतान पिछले महीने का कर्ता है, दो महिनों का राशन दाबी रखता है। इसी विषय को लेकर सरपंच प्रतिनिधि शारदा कुशवाहा एवं ग्रामीणों ने सम्बंधित विभाग को लिखित शिकायत की थी। शिकायत के बाद जांच टीम बनाई गई, जांच टीम के द्वारा विधिवत जांच किया गया। जांच के दौरान शिकायत के आधार पर कोटेदार का भ्रष्टाचार सामने आया। मौके स्थल पर पिछला खाद्यान्न स्टाक नहीं मिला। वहीं जांच टीम द्वारा एवं सरपंच प्रतिनिधि ग्रामीण सहित पंचनामा तैयार कर उच्च अधिकारियों को कार्यवाही के लिए भेज दिया गया है।

जांच के बाद कार्यवाही में प्रशासन उदासीन

जिला प्रशासन की उदासीनता के कारण अब तक विक्रेता के ऊपर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। गत दिवस 28 मई को सरपंच प्रतिनिधि शारदा कुशवाहा द्वारा कोटेदार को बुला कर पिछले दो महीनों का खाद्यान्न ग्रामीणों को वितरण करवाया गया। वहीं विक्रेता से सवाल पूछे जाने पर बताया कि मार्च-अप्रैल का पिछला खाद्यान्न वितरण कर रहा हूँ। मई माह का बाकी खाद्यान्न बाद में वितरण करुंगा। चुनौती भरे सवाल यह उठता है कि राशन दुकान में खाद्यान्न का भण्डारन है कितना, क्या पिछले दो माह का खाद्यान्न वितरण पूरा है पाएगा, क्या मई माह का खाद्यान्न वितरण अधर में लटका रहेगा या फिर अन्य जगहों से सांठगांठ कर भरपाई किया जायेगा। महीने का अंतिम दौर समापन की ओर, फिर जनता मई माह का खाद्यान्न के लिए भटकता नजर तो नहीं आएगा। यह प्रशासन के लिए चुनौतीपूर्ण बड़ा सवाल है। क्या कोटेदार अपना बचाव कर पाएगा या कारवाई के शिकंजे में, तो आने वाला समय बताएगा। इस दौरान एसडीएम ने कहा कि इसके बारे में जिला अधिकारियों से जानकारी लिजिए।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत मिट्टी परीक्षण पर वैज्ञानिकों का जोर

मिट्टी परीक्षण से उर्वरकों के संतुलित उपयोग को मिलेगा बढ़ावा, फसल उत्पादन में होगी वृद्धि

सीधी। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास ने जानकारी देकर बताया है कि दिनांक 29 मई 2025 से 12 जून 2025 तक के बीच आयोजित होने वाले विकसित कृषि संकल्प का आज दूसरा दिन है, जिसके अन्तर्गत सीधी जिले में भी गठित तीनों दलो द्वारा अभियान का संचालन किया गया सीधी विकासखण्ड में पहले दल द्वारा बढ़ौरा, कुबरी, सेमरिया दूसरे दल द्वारा कोठार, उपनी, शिवपुरवा नं. 01 तीसरे दल द्वारा कुसमी विकासखण्ड की टमसार, ठाड़ीपाथर एवं दुआरी में अभियान का संचालन किया गया।

कार्यक्रम में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों से आग्रह किया है कि वे अपने खेतों की मिट्टी का परीक्षण अवश्य करवाएं, क्योंकि यह फसल उत्पादन बढ़ाने और मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मिट्टी परीक्षण से मिट्टी में मौजूद पोषक तत्वों जैसे नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटैशियम और अन्य

सूक्ष्म पोषक तत्वों की मात्रा का पता चलता है, जिससे किसान उर्वरकों का संतुलित उपयोग कर सकते हैं। इससे न केवल फसल की गुणवत्ता और उत्पादन में वृद्धि होती है, बल्कि अनावश्यक उर्वरक उपयोग से होने वाली लागत में कमी और पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलती है। कृषि वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया है कि किसान अपने खेतों से मिट्टी के नमूने सही तरीके से एकत्र करें। इसके लिए खेत के 8–10 विभिन्न स्थानों से 15 सेंटीमीटर गहराई तक मिट्टी लेकर, उसे मिलाकर लगभग 500 ग्राम का नमूना तैयार करना चाहिए। नमूना लेते समय खाद के ढेर, पेड़ों की छाया या जलभराव वाले क्षेत्रों से बचना चाहिए। यह नमूना स्थानीय कृषि विस्तार अधिकारी या नजदीकी मृदा परीक्षण प्रयोगशाला में जमा करवाया जा सकता है।

किसानों को सलाह दी गई है कि वे स्थानीय कृषि विस्तार अधिकारियों से संपर्क करें, जो मिट्टी के नमूने एकत्र करने और परीक्षण प्रक्रिया में सहायता प्रदान कर सकते हैं। वैज्ञानिकों ने जोर देकर कहा कि समय पर मिट्टी परीक्षण और उसकी रिपोर्ट के आधार पर उर्वरकों का उपयोग किसानों की आय बढ़ाने और मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। कृषि विभाग और वैज्ञानिकों ने किसानों से अपील की है कि वे इस सुविधा का लाभ उठाएं और अपने खेतों की मिट्टी का परीक्षण नियमित रूप से, विशेष रूप से बुवाई से एक माह पहले, करवाएं। अधिक जानकारी के लिए किसान अपने नजदीकी कृषि विभाग कार्यालय या मृदा परीक्षण प्रयोगशाला से संपर्क कर सकते हैं।

उन्होंने बताया कि विकसित कृषि संकल्प अभियान के अन्तर्गत शनिवार को पहले दल द्वारा रामपुर नैकिन वि.ख. के पोड़ी, नौगवां, हनुमानगढ़, दूसरे दल द्वारा सिहावल वि.ख. के हटवाखास, हटवादेवार्थ, घोघरा तथा तीसरे दल द्वारा कुसमी वि.ख. के कुसमी, मगवार एवं कोड़ार में अभियान का संचालन किया जायेगा।

बाल विकास परियोजनाओं में स्थित आधार मशीनों के संचालन के लिए ऑपरेटर्स की आवश्यकता

सीधी। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास ने जानकारी देकर बताया है कि महिला एवं बाल विकास विभाग सीधी के अंतर्गत संचालित 07 बाल विकास परियोजनाओं में संचालनालय, महिला एवं बाल विकास म.प्र. के पत्र दिनांक 20.05.2025 से रजिस्ट्रार म.बा.वि. (कोड-852) की आधार पंजीयन मशीनों के संचालन के संबंध में निर्देश प्राप्त हुये है। जिला कलेक्टर के माध्यम से रजिस्ट्रार महिला एवं बाल विकास के आधीन बाल विकास परियोजनाओं में स्थित आधार मशीनों के संचालन हेतु ऑपरेटर्स की आवश्यकता है। उन्होने बताया कि जिला कलेक्टर द्वारा स्थानीय स्तर पर ऑपरेटर्स का चयन किया जायेगा, ऑपरेटर्स की योग्यता कक्षा 12वीं उत्तीर्ण, एनएसईआईटी द्वारा आयोजित आधार पंजीयन परीक्षा उत्तीर्ण, संबंधित जिले का निवासी हो, ऑपरेटर यूआईडीएआई द्वारा ब्लैक लिस्टेड/सस्पेंडेड न हो, आधार कार्य अनुभव को प्राथमिकता, एक समान योग्यता होने पर एक से अधिक आवेदक होने पर अधिक अनुभव होने वाले आवेदक को प्राथमिकता, आवेदक पर कोई आपराधिक प्रकरण पंजीबद्ध न हो। संबंधित आवेदक जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग सीधी के कार्यालय में दिनांक 05 जून 2025 तक कार्यालयीन दिवसों एवं समय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर सकता है।

जल स्त्रोतों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु मुख्यमंत्री की अभिनव पहल

जल हमें स्वच्छता, संपन्नता और समृद्धि की ओर ले जाता है

सीधी। जल से ही जीवन का आरम्भ हुआ। जल ही जीवन का आधार है। मानव शरीर का 70 प्रतिशत भाग जल से निर्मित है। पीने के अलावा भी कई उद्देश्यों के लिए दैनिक जीवन में जल का उपयोग किया जाता है। दुनिया में सभी जीवों लिए जल की आवश्यकता होती है। जल हमारे जीवन के लिए अभिन्न और महत्वपूर्ण है। यह हमारे शरीर के ऊर्जा स्रोत, स्वास्थ्य और संतुलित विकास का मूल आधार है। जल के बिना हम न तो जीवित रह सकते हैं और न ही कोई जीवनरूपी रचना अस्तित्व में आ सकती है। इसके साथ ही जल हमें स्वच्छता, संपन्नता और समृद्धि की ओर ले जाता है। यह समुद्रों, नदियों, झीलों और तालाबों के रूप में प्रकृति में विद्यमान है और हमें इसे बचाएं और संरक्षित रखने की जरूरत है । जल संरक्षण के माध्यम से हम स्वच्छ और स्वस्थ जीवन जी सकते हैं और आने वाले पीढ़ियों को भी संतुष्टि और सुरक्षा दे

सकते हैं। इसी उद्देश्य से मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। जिसके परिपेक्ष्य में सीधी जिले में कलेक्टर श्री स्वरोचिष सोमवंशी एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अंशुमन राज के निर्देश के परिपालन में जिले की जनपद पंचायत कुसमी की ग्राम पंचायत रौहाल, जनपद पंचायत मझौली की ग्राम पंचायत मड़वास, जनपद पंचायत रामपुर नैकिन की ग्राम पंचायत पोड़ी तथा अकौरी,जनपद पंचायत सीधी की ग्राम पंचायत महाराजपुर तथा पड़रिया कला एवं जनपद पंचायत सिहावल की ग्राम पंचायत राजगढ़ तथा सहजी में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंर्तगत जल संरक्षण एवं जल संवर्धन के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम से स्वरोजगार स्थापित कर महिला उद्यमी दे रही अब दूसरों को रोजगार

सीधी। कहते हैं खुद पर भरोसा हो तो कोई भी काम असंभव नहीं है। कुछ ऐसा ही उदाहरण देखने को मिलता है सीधी जिले में रहने वाली श्रीमती नीतू सिंह का जिन्होंने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना अंतर्गत ऋण लेकर अपना स्वयं का उद्यम स्थापित किया है।

श्रीमती नीतू सिंह अपने पति के साथ पेपर दोना पत्तल निर्माण की इकाई स्थापित करना चाहती थी। उनके द्वारा जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र में संपर्क किया गया जहां विभिन्न स्वरोजगार योजनाओं के बारे में उन्हें जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना अंतर्गत यूनियन बैंक ऑफ इंडिया डी पी कॉम्प्लेक्स सीधी के माध्यम से पेपर दोना पत्तल इकाई स्थापित करने हेतु 10 लाख रु का ऋण प्राप्त कर अपनी इकाई कात्यायनी उद्योग स्थापित की। आज यह इकाई न केवल 5 से 6 लोगों को रोजगार प्रदान कर रही है बल्कि इकाई से प्रतिमाह 35 से 40 हजार रुपए का लाभ भी प्राप्त हो रहा है। वहीं योजनान्तर्गत शासन से 247500 रु की सब्सिडी भी प्राप्त हुई है जो स्वरोजगार संचालन के लिए मददगार साबित हो रही है। श्रीमती नीतू सिंह बताती है कि आज उनकी इकाई से निर्मित दोना पत्तल न केवल सीधी अपितु इलाहाबाद और कानपुर तक भी भेजे जाते हैं।

जिले में संचालित कम्पोजिट मदिरा दुकानों में रेट लिस्ट लगाने के निर्देश

अवैध मदिरा विनिर्माण, विक्रय एवं परिवहन करते कायम किये गये प्रकरण

सीधी। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देशन में एवं संतोष सिंह कुशवाह जिला आबकारी अधिकारी सीधी के मार्गदर्शन में जिले में संचालित कम्पोजिट मदिरा दुकानों के पास साफ सफाई एवं अवैध मदिरा विनिर्माण, विक्रय, परिवहन के विरूद्ध विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

आबकारी उपनिरीक्षक अंजली मिश्रा एवं मणिराज मिश्रा द्वारा जिले में संचालित कम्पोजिट मदिरा दुकानों का निरीक्षण किये गये, निरीक्षण के दौरान दुकानों के

पास साफ-सफाई एवं रेट लिस्ट चस्पा करने के निर्देश दिये गये। जिले में मुखबिरों से प्राप्त सूचना के आधार पर सीधी जिले के विभिन्न स्थानों पर छापामार कार्यवाही कर कुल 33 न्यायालयीन प्रकरण कायम किये गये, जिसमें लगभग 300 किलो ग्राम महुआ लाहन एवं 62.7 बल्क लीटर मदिरा जप्त की गई। उक्त प्रकरण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34 (1) (क) एवं (च) के तहत पंजीबद्ध किये गये है। सहयोगी दल में आबकारी मुख्य आरक्षक श्याम बहादुर सिंह आबकारी आरक्षक गौरव उपाध्याय, सुधीर सिंह, संजय भारती, कमल नारायण मौर्य, राहुल बंसल, एवं पुनीत कुशवाहा का विशेष योगदान रहा।

पार्वती ने कियोस्क सेंटर संचालित कर जीवन की राह को बनाया आसान

सीधी। सीधी जिले के मझौली विकासखंड के दूरस्थ ग्राम बरसेनी की श्रीमती पार्वती पनिका एक गरीब परिवार की पढ़ी-लिखी महिला है। घर में रहकर खेत से लेकर घर का काम बच्चों एवं परिवार की देख-रेख में लगी रहती थी। इस कारण सारा समय घर के काम-काज में ही चला जाता था। 12वीं पास करने के बाद भी वह बेरोजगार रह कर जीवन-यापन करने में मजबूर थी। पति भी घर पर ही रहकर किराना दुकान करते हैं जिससे परिवार का खर्च भी सही तरीके से चलाना बहुत बड़ी चुनौती बन चुकी थी। आजीविका मिशन के संपर्क में आने पर श्रीमती पार्वती पनिका के जीवन मे चमत्कारिक परिवर्तन आया। उन्होंने गॉव में ग्रामीण आजीविका मिशन के माध्यम से ओम स्वसहायता समूह का गठन कर अध्यक्ष पद पर सचिव एवं सदस्य के साथ समूह का संचालन करने लगी। पार्वती बताती हैं कि स्वसहायता समूह के माध्यम से ऋण प्राप्त कर उन्होने कियोस्क सेंटर खोलने का निर्णय लिया। कियोस्क सेंटर के माध्यम से उन्होंने आसपास के गांवों का भ्रमण कर लोगों को अपने कियोस्क सेंटर के बारे में जानकारी प्रदान की और पैसों का लेनदेन करने लगी जिससे उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार होने लगा।

जिला अस्पताल के डीईआईसी भवन में जिला स्तरीय स्वास्थ्य शिविर

नशा मुक्ति और प्राकृतिक आपदा से बचाव कार्यक्रम

सीधी। दिनांक 30 मई 2025 को जिला चिकित्सालय के ष्ठश्वष्ठ भवन में हृदय रोग से पीड़ित बच्चों एवं बड़ों हेतु निशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन जिला स्वास्थ्य समिति के आरबीएसके और गीतांजलि जन कल्याण समिति के सहयोग से किया गया जिसमें दिल की बीमारी से संबंधित समस्त समस्याओं का जांच एवं उपचार किया गया उक्त शिविर में ईको एवं ईसीजी की गई। तथा आरबीएसके योजना से 0 से 18 साल तक के समस्त उपस्थित बच्चों का उपचार किया गया बाकी अन्य हितग्राही जिनका आयुष्मान कार्ड है उनका उपचार आयुष्मान योजना के तहत कराया गया। इसके साथ ही जिन बच्चों का होंठ कटा या तालु कटा था जिनको बोलने में समस्या, गले में छेद , जीभ जुड़ी थी ऐसे समस्त बच्चों का इलाज कराया गया। कटे फटे होंठ एवं तालु के बच्चों के लिए कम से कम 4 माह की उम्र और 4 किलो से ज्यादा वजन होना अनिवार्य था ऐसे बच्चों का दुबे सर्जिकल हॉस्पिटल जबलपुर में ऑपरेशन किया जाएगा साथ ही सभी उपस्थित मरीजों और उनके साथियों

और स्वास्थ्य टीम को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डाक्टर बबिता खरे जी द्वारा नशा के दुष्प्रभाव के बारे में बताया गया और सभी को नशा मुक्ति का सपथ दिलाया गया साथ ही गीतांजलि जन कल्याण समिति के संचालक रविशंकर मिश्र द्वारा सभी उपस्थित जन को प्राकृतिक आपदा आकाशीय बिजली गिरने, शर्प दंश,से बचाव के लिए वरशात के समय कभी भी पेड़ों के नीचे खड़े न हो खुले आसमान में न चले घरों में सुरक्षित रहना चाहिए, और शर्प दंश से बचाव हेतु सभी लोग अपने घरों के आसपास साफ सफाई रखें कन्ही भी गाजर घास,कचड़ा,या दरार नहीं होना चाहिए एवं सोते समय सभी को मच्छर दानी लगाकर सोना चाहिए,साथ ही रोड में चलते समय जो दो पहिया वाहन चलाते समय चालक और पीछे बैठने वाले हमेशा हेलमेट पहने,चार पहिया वाहन चालक और बैठने वाले शीट बेल्ट लगाएं और सभी चलते समय अपने साइड में ही चले ओभर ट्रेक न करे एवं गाड़ी धीरे चलाने की सलाह दी गई आज इस कार्यक्रम में जिला स्वास्थ्य समिति के जिला कार्यक्रम प्रबंधक पुष्पेंद्र शुक्ला,डाक्टर नागेंद्र दुबे जिला टीकाकरण अधिकारी, डाक्टर आर एल वर्मा कार्डियोलाजिस्ट, डाक्टर स्वाति सिंह,डाक्टर विश्वता पांडेय शिविर में उपस्थित मरीज और परिजन।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ रही निर्माणाधीन चुरहट गोविंदगढ़ स्टेट हाईवे

सीधी। ज्ञात हो की इन दिनों स्टेट हाईवे 52 के मरम्मतीकरण का कार्य प्रगति पर है जो कि चुरहट से शुरू है यह सड़क काफी दिनों से मरम्मत मांग रही थी और आखिरकार इसकी मरम्मतीकरण को मंजूरी मिली थी और इसका कार्य कई दिनों बाद शुरू हुआ पर इतने वर्षों बाद भी इस सड़क के काम शुरू होने पर भी इसमें ठेकेदार और शासन प्रशासन की लापरवाही से यह सड़क भ्रष्टाचार की भेट चढ़ रही है । सड़क बनने के दो-तीन दिन बाद ही जगह-जगह सड़क में दरारें आ गई सड़क उखड़ने लगी और इतनी पतली परत सड़कों पर बिछाई जा रही है कि गाड़ियों के जाते ही सड़क की वह परत 2 दिन में ही अपने स्थान को छोड़कर खिसक गयी । प्रशासन का ध्यान इन सड़कों के मरम्मतीकरण एवं उसके गुणवत्ता और हो रहे भ्रष्टाचार पर करने हेतु जाना चाहिए परन्तु प्रशासन आंख मूदे हुए और चुप है कि सड़क बन जाने के बाद ठेकेदार अपने बचाव में बरसात पर यह आरोप लगा सके कि वर्षा के कारण सड़क क्षेत्रग्रस्त हुई है। जबकि वर्तमान में सड़क बनते ही उस सड़क के परखच्चे उड़ने लगे हैं।

और जब स्थानीय लोगों की नजर सड़क पर पड़ी जो कि तुरंत क्षतिग्रस्त हो गई तो आनन फानन में ठेकेदार सड़क को जर्जर हुए स्थान पर जेसीबी से उखड़वाने का कार्य कर रहे हैं जिस पर यह स्वमेव ही पता हो जाता है कि सड़क कितनी गुणवत्ता के साथ बनी हुई थी ।पर इसमें विचारणीय बात यह है कि सड़क बनते ही सड़क क्षतिग्रस्त हुई सड़क अपने स्थान से खिसक जा रही तो इसमें कितना भ्रष्टाचार युक्त कार्य किया गया है कितनी गुणवत्ता विहीन सड़क बनाई गई।

अत्याधुनिक फोटे तकनीक से सबस्टेशनों में आटोमेशन और टेलीप्रोटेक्शन को मिलेगी नई मजबूती : ऊर्जा मंत्री

सीधी

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युमन सिंह तोमर ने बताया कि देश की अग्रणी विद्युत ट्रांसमिशन कंपनियों में से एक एम.पी. पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांसको) ने एक और तकनीकी नवाचार करते हुए अपने एकस्ट्रा हाई सबस्टेशनों में फाइबर ऑप्टिक टर्मिनल उपकरण (फोटे) तकनीक को स्थापित कर उसका उपयोग प्रारंभ कर दिया है। यह तकनीक चरणबद्ध तरीके से विभिन्न सबस्टेशनों में लागू की जा रही है। ट्रांसमिशन एलीमेंट्स की सुरक्षा, संचार और निगरानी व्यवस्था को अधिक आधुनिक, तेज और विश्वसनीय बनाने की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण पहल है।

ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने बताया कि इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को

प्रदेश में तीन जोन बनाकर पूरा किया जा रहा है। यह तकनीक अति उच्च-दाब सबस्टेशनों एवं एम.पी. ट्रांसकों से जुड़े जनरेशन सबस्टेशनों में लागू की गई है।

एम पी ट्रांसको में इस प्रोजेक्ट की प्लानिंग और टेंडरिंग प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले अधीक्षण अभियंता श्री मनीष खरे ने बताया कि फोटे एक अत्याधुनिक ऑप्टोइलेक्ट्रॉनिक उपकरण है, जिसका उपयोग फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क, उपकरणों और प्रणालियों के आटोमेशन, टेलीप्रोटेक्शन और ट्रांसमिशन एलिमेंटस की निगरानी के लिए किया जाता है, इस तकनीक की मदद से सबस्टेशनों में लगे ट्रांसफॉर्मर्स और अन्य महत्वपूर्ण उपकरणों की निगरानी रियल टाइम में संभव हो सकेगी। भविष्य में इस प्रणाली से प्रोटेक्शन रिले की सेटिंग व फॉल्ट रिपोर्ट भी सेन्ट्रालाइज भी की जा सकेगी।

प्रदेश के ट्रांसमिशन सिस्टम में ओ.पी.जी.डब्ल्यू (ऑप्टिकल ग्राउंड वायर) के माध्यम से फाइबर ऑप्टिक ट्रांसमिशन इक्विपमेंट (फोटे) का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन किया गया है। ट्रांसकों का डेडिकेटेड कम्यूनिकेशन सिस्टम होने के कारण इस तकनीक से एम.पी. ट्रांसकों प्रणाली के संचालन में रियल टाइम डेटा संप्रेषण, बेहतर निगरानी, तेज संचार और सायबर खतरों से उच्च सुरक्षा संभव हो सकी है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद सीधी, जिला–सीधी (म.प्र.)

एन.आई.टी. क्रमांक 1008 /ई टेंडरिंग/न.पा./2025 सीधी, दिनांक 30 जनवरी 2025

निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु केन्द्रीयकृत प्रणाली में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण https://mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक जारी दिनांक	कार्य का नाम	कार्य की समयावधि एवं लागत	निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं EMD	निविदा की अंतिम तिथि
1	2025_UAD_427436_1 दिनांक 30.05.2025	वार्ड क्रमांक 24 में बनियान बस्ती से आदिवासी बस्ती में आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य। (तृतीय आमंत्रण)	(1) 1 माह (2) 1.58 लाख	(1) 1000.00 (2) 3160.00	06.06.2025
2	2025_UAD_427443_1 दिनांक 30.05.2025	वार्ड क्रमांक 16 में अन्नू कोल के घर से कल्लू कुशवाहा एवं कोलान बस्ती तक आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	(1) 1 माह (2) 2.92 लाख	(1) 2000.00 (2) 2918.00	06.06.2025
3	2025_UAD_427444_1 दिनांक 30.05.2025	वार्ड क्रमांक 05 में अशोक लॉज से चकदही पुल तक सड़क के डामरीकरण का कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	(1) 1 माह (2) 6.08 लाख	(1) 2000.00 (2) 6081.00	06.06.2025
4	2025_UAD_427445_1 दिनांक 30.05.2025	वार्ड क्रमांक 04 में भगवानदीन कुशवाहा के घर से रितेश सिंह के घर होते हुए अमित सिंधी के घर तक सी.सी.सड़क निर्माण कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	(1) 2 माह (2) 6.29 लाख	(1) 2000.00 (2) 6267.00	06.06.2025
5	2025_UAD_427446_1 दिनांक 30.05.2025	वार्ड क्रमांक 05 में विभिन्न स्थानों में सी.सी. सड़क निर्माण कार्य। (तृतीय आमंत्रण)	(1) 2 माह (2) 8.47 लाख	(1) 2000.00 (2) 8475.00	06.06.2025
6	2025_UAD_427447_1 दिनांक 30.05.2025	वार्ड क्रमांक 04 में सुरेश धोबी के घर से जमुना केवट के घर तक एवं सिंचाई विभाग की बाउण्ड्री तक सी.सी. सड़क निर्माण कार्य। (तृतीय आमंत्रण)	(1) 3 माह (2) 9.47 लाख	(1) 2000.00 (2) 9468.00	06.06.2025
7	2025_UAD_427448_1 दिनांक 30.05.2025	वार्ड क्रमांक 13 के विभिन्न गलियों में आर.सी.सी. नाली निर्माण कार्य। (चतुर्थ आमंत्रण)	(1) 2 माह (2) 12.87 लाख	(1) 2000.00 (2) 9653.00	13.06.2025

नोट :– निविदा से सम्बंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाइन https://mptenders.gov.in पर ही किया जावेगा, पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नही किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद सीधी

संपादकीय

गोलियों की गूंज से कानून बेदम

कोई ज्यादा समय नहीं हुआ जब उत्तर प्रदेश की सरकार ने अपनी उपलब्धियां गिनाते हुए दावा किया था कि राज्य में अपराधियों पर अंकुश लगा दिया गया है। जघन्य अपराध के मामलों में काफी कमी आई है। मगर सरकार के दावों के बरक्स राज्य में अपराधी फिर बेखौफ हो गए हैं। इसका ताजा उदाहरण गाजियाबाद के नाहल गांव में दिखा, जहां एक वांछित अपराधी को पकड़ कर ले जा रहे नोएडा पुलिस के दल पर अपराधी के साथियों ने जानलेवा हमला किया। इस दौरान हुई गोलीबारी में जहां एक सिपाही की मौत हो गई, वहीं कई पुलिसकर्मी घायल हो गए। पिछले दिनों गाजीपुर में भी बेलगाम बदमाशों ने युवक पर दिनदहाड़े गोलियां चलाईं। कोई दोराय नहीं कि गाजियाबाद से लेकर उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ तक जिस तरह अपराध बढ़े हैं, उससे राज्य की कानून व्यवस्था पर बड़ा प्रश्नचिह्न लग गया है। चौबीस घंटे में चौदह लोगों की हत्या से ऐसा प्रतीत होता है कि अपराधियों में कानून का डर खत्म हो गया है। यह कैसा कानून का राज है, जहां अपराधी पुलिस पर गोलियां चला रहे हैं? ऐसे में स्वाभाविक रूप से विपक्ष को भी सवाल उठाने का अवसर मिल गया है। किसी भी राज्य में आम नागरिक अगर खुद को असुरक्षित महसूस करने लगें, तो यह शासन के लिए चिंता का विषय होना चाहिए। उसका दायित्व है कि वह कानून व्यवस्था इस तरह लागू करे, जिससे अपराध करने से पहले कोई दस बार सोचे। उत्तर प्रदेश सरकार ने अपराध बर्दाश्त न करने की सख्त नीति बनाने का दावा किया था। इस क्रम में भू-माफिया और आपराधिक गिरोहों के खिलाफ कार्रवाइयां होती दिखीं। सीसीटीवी से निगरानी और पुलिस की सक्रियता बढ़ा कर अपराधियों पर शिकंजा कसा गया। मगर राज्य में अपराधी फिर सिर उठाने लगे हैं। नतीजा, कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने और अपराधियों पर नकेल कस कर अपराध खत्म करने का दावा करने वाली सरकार सवालों के घेरे में है। ऐसे में राज्य सरकार अगर अपने दावे को लेकर ईमानदार है, तो उसे जमीनी स्तर पर भी ठोस नतीजे दिखाने पड़ेंगे।

देश में मोदी सरकार और कुछ नक्सल प्रभावित राज्यों में भाजपा सरकारें आने के बाद माओवादियों के सामने दो ही विकल्प बचे हैं या तो वो सुरक्षा बलों से लड़ते हुए मारे जाएं या फिर आत्म समर्पण कर दें। सरकार की यह नीति 'लाठी और गाजर' वाली है। पिछले एक साल में सुरक्षाबलों के संयुक्त अभियान में जितनी संख्या में माओवादी या तो मारे गए हैं या फिर उन्होंने आत्मसमर्पण किया है, उससे लगता है कि देश में राजनीतिक-सामाजिक बदलाव का माओवादियों का सपना अब अतीत की बात बन जाने वाला है। क्योंकि पचास साल के सशस्त्र संघर्ष और सैंकड़ों मौतों के बाद भी इससे कुछ भी हासिल नहीं किया जा सका है। अब तो युवाओं में भी ऐसी कथित क्रांति कोलेकर वो रुचि नहीं रह गई है, जो किसी जमाने में हुआ करती थी।

क्या माओवाद अब सचमुच अंतिम सांसें गिन रहा है?

(अजय बोकिल)

क्या देश में माओवाद (नक्सलवाद) अब अंतिम सांसें गिन रहा है? क्या देश के 12 राज्यों में लाल कॉरिडोर बनाने का आधी सदी पुराने 'लाल' सपने को संकल्प ने मिट्टी में मिला दिया है? क्या नक्सल प्रभावित जिलों में अब स्थायी शांति लौटने की आस बढ़ गई है या फिर यह एक अस्थायी शांति है, कुछ समय बाद माओवादी नए सिरे से अपने काम में लग जाएंगे?

ये ऐसे सवाल हैं, जिनके जवाब आने वाले समय में मिलेंगे, क्योंकि हाल में एक शीर्ष माओवादी नेता बसवराजू के मारे जाने से माओवादियों को तगड़ा झटका जरूर लगा है, लेकिन उसके तीन नेता माडी हिडमा, भूपति और प्रभाकर अभी भी सक्रिय हैं। माओवादियों की संख्या अब घटकर भले आधी रह गई हो, लेकिन 'देश में प्रतिक्रियावादी (लोकतांत्रिक) शासन प्रणाली को खत्म कर सशस्त्र क्रांति के जरिए 'जन सरकार' स्थापित करने का जुनून अभी खत्म नहीं हुआ है। हालांकि सुरक्षा बलों के लगातार दबाव और आम जनता में माओवादियों की घटती साख के चलते उनके हौसले ढीले पड़ गए हैं।

देश में मोदी सरकार और कुछ नक्सल प्रभावित राज्यों में भाजपा सरकारें आने के बाद माओवादियों के सामने दो ही विकल्प बचे हैं या तो वो सुरक्षा बलों से लड़ते हुए मारे जाएं या फिर आत्म समर्पण कर दें। सरकार की यह नीति 'लाठी और गाजर' वाली है।

पिछले एक साल में सुरक्षाबलों के संयुक्त अभियान में जितनी संख्या में माओवादी या तो मारे गए हैं या फिर उन्होंने आत्मसमर्पण किया है, उससे लगता है कि देश में राजनीतिक-सामाजिक बदलाव का माओवादियों का सपना अब अतीत की बात बन जाने वाला है। क्योंकि पचास साल के सशस्त्र संघर्ष और सैंकड़ों मौतों के बाद भी इससे कुछ भी हासिल नहीं किया जा सका है। अब तो युवाओं में भी ऐसी कथित क्रांति कोलेकर वो रुचि नहीं रह गई है, जो किसी जमाने में हुआ करती थी।

ऐसे में नक्सली आंदोलन जो कभी देश के 12 राज्यों में फैला था, अब महज 6 जिलों तक सिमट गया है। जो आंदोलन कभी किसानों और आदिवासियों को उनके हक और शोषण से मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से शुरू हुआ था, वह खुद रंगदारी, हत्याओं और अराजकता में तब्दील हो गया।

माओवादी केवल एक लक्ष्य में आंशिक रूप से कामयाब रहे और वो है कि आधुनिक विकास की किरणें दूर-दराज के इलाकों तक न पहुंचने देना। लेकिन इसके बदले में आम लोगों को क्या मिला? जो युवा कभी माओवाद के हिंसक रास्ते पर चल पड़े थे, उनके हिस्से में थोथे आत्म संतोष या हताशा के अलावा क्या आया?

माओवादियों ने घने जंगलों, दूरदराज के इलाकों, दुर्गम पहाड़ियों आदि को अपने छिपने ठिकाना इसलिए बनाया था ताकि पुलिस और सुरक्षा बल वहां तक न पहुंच सकें। जंगलों में उन्होंने किसी हद तक अपना राज कायम भी कर लिया था।

जब भी इस पर कोई आंच आती दिखती, वो इसका जवाब आतंक से देते। जिनमें सुरक्षा बलों पर घातक हमले हों या फिर मुखबिरी के आरोप में स्थानीय निवासियों की बेरहम हत्याएं हों। हालांकि जिस मूल कम्युनिस्ट विचारधारा से माओवाद का जन्म हुआ था, उसे मानने वाली और राजनीतिक मुख्य धारा में शामिल पार्टियों ने माओवादी हिंसा से दूरी बना ली थी, लेकिन माओवादी संघर्ष के प्रति उनके मन में साफ्ट कॉर्नर, अर्बन नक्सलियों द्वारा उनका मार्गदर्शन, आर्थिक और नैतिक सहयोग बरकरार था। यह बात अलग है कि जिस माओवाद का खयाली पुलाव ये पकाते रहे हैं, उसे असली माओवादी चीन ने भी पीछे छोड़ दिया है।

किसानों के शोषण के खिलाफ हुई थी शुरुआत

माओवाद दरसअल पश्चिम बंगाल के नक्सलबाड़ी गांव से जमीनदारों द्वारा किसानों के शोषण के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह के रूप में 70 के दशक में शुरू हुआ था। तब इसके पीछे चारू मुजुमदार, कनु सान्याल जैसे साम्यवादियो का राजनीतिक दर्शन भी था। इसे चीन का भी समर्थन था। माना गया कि पुरानी और सामंती व्यवस्था को लोकतांत्रिक तरीकों के बजाए रक्त क्रांति से ही बदला जा सकता था। तब के युवा, जिनका आजादी के बाद देश में बने हालात से मोहभंग हो रहा था, इस माओवादी विचार की तरफ तेजी से आकृष्ट हुए।

यह समझे बगैर कि भारत और चीन की तासीर में बहुत अंतर है। माओवादियों ने जिस 'जन संघर्ष' का नारा दिया, वह हमेशा एक सीमित दायरे से आगे नहीं बढ़ पाया। कांग्रेस की सरकारों ने माओवादियो के प्रति नरम या मिला जुला रवैया अपनाया हुआ था, बावजूद इसके कि छत्तीसगढ़ की झीरम घाटी में माओवादियो ने हमला कर राज्य में कांग्रेस के शीर्ष नेताओं का सफाया कर दिया था।

अलबत्ता आंध्र और तेलंगाना में जरूर कुछ सख्ती दिखाई। यह भी कोशिश हुई कि माओवादियों से बातचीत कर उन्हें मुख्य धारा में लौटाया जाए। लेकिन वह भी नाकाम रही।

इस मामले में मोदी सरकार और भाजपा का रवैया बहुत साफ है। उनका मानना है कि गोली का जवाब गाल सहलाना नहीं हो सकता। माओवाद को खत्म करने के लिए उसकी जड़ों पर चोट जरूरी है। इसलिए सुरक्षा बलों का नक्सल प्रभावित राज्यों में संयुक्त अभियान शुरू किया गया। उन्हें घने जंगलों में घुसने के लिए अत्याधुनिक उपकरण, ट्रेनिंग और हथियार दिए गए। उससे भी बढ़कर माओवादियों के खात्मे में उन पूर्व माओवादियों का भरपूर सहयोग लिया गया जो आत्म समर्पण कर चुके थे। उनकी अलग से फोर्स बनाकर माओवाद के खात्मे के काम पर लगाया गया।

'डिस्ट्रिक्ट रिजर्व गार्ड' के रूप में उनकी भर्तियां पुलिस बल में की गईं। इनमें महिला पूर्व नक्सली भी शामिल हैं। यह रणनीति सबसे कारगर साबित हुई। आज जो बड़ी संख्या में माओवादी मारे जा रहे हैं, उनमें इन पूर्व माओवादियों का बड़ा योगदान है। इसके अलावा सरेंडर करने वाले नक्सलियों के पुनर्वास की प्रभावी और सकारात्मक नीति भी माओवाद की कमर तोड़ने में कारगर साबित हुई है। सालों तक जंगलों की खाक छानने वाले कई नक्सली अब मुख्य धारा में लौटकर सुकून के साथ जिंदगी जीना चाहते हैं। एक आत्म समर्पित माओवादी का यह बयान अहम है कि नई पीढ़ी की दिलचस्पी अब क्रांति से ज्यादा मोबाइल, बाइक और गर्लफ्रेंड में है।

'आपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट'- दरअसल बीती 21 मई को छत्तीसगढ़ के बस्तर में सुरक्षाबलों ने 'आपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट' के तहत 27 माओवादियों को घेरकर मार गिराया। इनमें माओवादियों के संगठन सीपीआई(माओवादी) का महासचिव और नक्सल आंदोलन की रीढ़ नंबाला केशवराव उर्फ बसवराजू भी शामिल था। बसवराजू एक इंजीनियर था और माओवादी विचारधारा से प्रेरित होकर नक्सली बना था। उस पर सरकार ने 1 करोड़ रु. का इनाम रखा था और जो 150 जवानों की हत्या का आरोपी था। उसी ने और सीपीआई (माओवादी) की सशस्त्र शाखा पीपुल्स लिबरेशन गुरिल्ला आर्मी (पीएलजीए) को मजबूत करने का काम किया था। पीएलजीए का गठन 2000 में कई छोटे-छोटे नक्सलियों के गुटों के विलय के बाद हुआ था। बसवराजू के खात्मे को केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 'नक्सलवाद खत्म करने की लड़ाई में एक ऐतिहासिक उपलब्धि' बताया। इसी अभियान में 54 माओवादियों को गिरफ्तार भी किया गया। इसके पहले दूरस्थ कुरेगुट्टा पहाड़ी मे माओवादियों के ठिकानों को घेरकर सुरक्षा बलों ने 31 माओवादियो को मौत के घाट उतारा था। उनसे बड़ी संख्या में हथियार भी बरामद किए थे। पुलिस ने यह भी दावा किया कि इस वर्ष के पहले चार महीनों में 700 से अधिक माओवादियों ने आत्मसमर्पण किया है। इस बीच सुरक्षा बलों का दावा है कि माओवादियों का 'रेड कॉरिडोर' तो दूर, खुद माओवाद चार राज्यों के छह जिलो तक सीमित रह गया है। ये राज्य हैं, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, तेलंगाना और झारखंड। सरकार के मुताबिक देशभर में माओवाद प्रभावित ज़िलों की संख्या 126 से घट कर अप्रैल 2018 में 90 रह गई थी, जुलाई 2021 में ऐसे ज़िलों की संख्या 70 हो गई और अप्रैल 2024 के आंकड़ों के अनुसार माओवाद प्रभावित जिलों की संख्या महज 38 रह गई है।

माओवाद अंतिम सांसें गिन रहा है?- तो क्या अब सचमुच माओवाद अंतिम सांसें गिन रहा है? इसका उत्तर 'हां' में देना अभी जल्दबाजी होगी। कुछ लोग सुरक्षा बलों की कार्रवाई की प्रामाणिकता पर भी सवाल उठा रहे हैं। सुरक्षाबलों को नुकसान भी झेलना पड़ा है। साथ ही माओवाद पर लगाम कसने का राजनीतिक श्रेय लेने की होड़ भी शुरू हो चुकी है। लेकिन क्या माओवादी अब थक चुके हैं? यह अभी गारंटी से नहीं कहा जा सकता। कुरेगुट्टा पहाड़ी पर नक्सलियों के घिरने के बाद माओवादियों ने छग सरकार के साथ शांति वार्ता का प्रस्ताव रखा था, जिसे सरकार ने यह कहकर ठुकरा दिया कि या तो नक्सली हथियार डालें या फिर मरने के लिए तैयार रहें। नक्सलियों की इस पहल को उनके बिखर रहे संगठन को फिर से जमाने के लिए जरूरी इंटरवल के रूप में भी देखा गया। इसका अर्थ यही नहीं कि उनकी कमर पूरी तरह टूट गई है। कहीं न कहीं से उन्हें ऊर्जा अभी भी मिल रही है। जानकारों का कहना है कि सरकार द्वारा प्रतिबंधित माओवादी संगठन का भी एक सुव्यवस्थित ढांचा है, एक तय व्यवस्था है जिसमें एक के जाने से दूसरे के लिए जगह बनती है। यानी एक बसवराजू मरेगा तो दूसरा उसकी जगह ले लेगा।

पाकिस्तान के खिलाफ कहर बरपाने की तैयारी में भारत! चल दिया है अपना तुरुप का इक्का

(अभिनय आकाश)

भारत ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दे दिया। और साफ हो गया कि पाकिस्तान के साथ मिलकर कितने देश भारत का बुरा चाहते हैं। जिस तरीके से पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ आतंकवाद को हथियार बना रखा है। ऐसा लगता है कि भारत सिर्फ ऑपरेशन सिंदूर तक नहीं रुकने वाला।

ऑपरेशन सिंदूर की सबसे बड़ी सीख ये है कि भारत अब जान गया है कि पाकिस्तान के खिलाफ जंग सिर्फ एक देश के साथ नहीं, बल्कि एक साथ तीन देशों के साथ जंग है। भारत के खिलाफ सिर्फ पाकिस्तान अकेला नहीं, बल्कि तुर्की और चीन भी लड़ रहे थे। तुर्की और चीन सिर्फ हथियारों से नहीं, बल्कि उससे भी कहीं ज्यादा पाकिस्तान की मदद कर रहे थेलेकिन भारत के खिलाफ भारत के दुश्मनों को जितना नेक्सस चलाना हो चला ले। क्योंकि भारत ने अभी ट्रम्प कार्ड खोले ही नहीं है। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ आंख उठाने की कोशिश की। आतंकवाद के जरिये भारत को भेदने की कोशिश की। भारत ने पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दे दिया। और साफ हो गया कि पाकिस्तान के साथ मिलकर कितने देश भारत का बुरा चाहते हैं। जिस तरीके से पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ आतंकवाद को हथियार बना रखा है। ऐसा लगता है कि भारत सिर्फ ऑपरेशन सिंदूर तक नहीं रुकने वाला। पाकिस्तान को रोकने के लिए जो भी कोशिश की जा सकती है वो अब भारत करेगा। ताजा घटनाक्रम में अफगानिस्तान के विदेश मंत्री के साथ भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से सीधी बात हुई है। तालिबान के काबुल पर कब्जे के बाद से यानी 2021 से कभी भी ये डायनमिक देखने को नहीं मिलेगा। ऑपरेशन सिंदूर के तुरंत बाद इस तरह की गतिविधियां हो रही हैं जो इसे अपने आप अहम बना देती हैं।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री मावलवी आमिर खान मुत्ताकी के साथ फोन पर बात की। इस बातचीत में भारत और अफगानिस्तान के बीच अविश्वास पैदा करने के कोशिशों का भी जिक्र हुआ। पिछले दिनों पाकिस्तानी सेना ने दावा किया था कि भारत ने अफगानिस्तान को भी मिसाइलों से निशाना बनाया था। भारत ने इसे सिरे से खारिज किया था। विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि उनकी मुत्ताकी के साथ अच्छी बात हुई। जयशंकर ने एक्स पर लिखा कि वह पहलगाम आतंकी हमलों को लेकर उनकी ओर से की गई भर्त्सना को सराहते हैं। साथ ही उन्होंने आधारहीन रिपोर्ट के जरिए दोनों देशों के बीच अविश्वास पैदा करने की कोशिशों को मुत्ताकी की ओर से खारिज किए जाने का स्वागत किया। जयशंकर ने लिखा कि अफगान लोगों के साथ पारंपरिक दोस्ती को रेखांकित किया गया। इसके साथ ही इस बात पर भी चर्चा हुई कि इस सहयोग को आगे कैसे लेकर जाया जा सकता है। मुत्ताकी ने भारत को एक बड़ी क्षेत्रीय ताकत बताया और जयशंकर के सामने भारत के साथ ऐतिहासिक रिश्तों का भी जिक्र किया। मुत्ताकी ने इलाज और बिजनेस के लिए भारत जाने वाले अफगान नागरिकों के वीजा जारी किए जाने का मामला भी उठाया। वहीं भारतीय जेलों में बंद अफगान नागरिकों की रिहाई और प्रत्यर्पण का मसला भी इस बातचीत में उठाया।

भारत-तालिबान एक दूसरे के करीब आ रहे हैं

2021 में अफ़गानिस्तान पर तालिबान के कब्ज़े के बाद से नई दिल्ली इस शासन के प्रति सतर्क रही है, उसे आधिकारिक मान्यता नहीं दी है। हालाँकि, भारत वरिष्ठ राजनयिकों के माध्यम से तालिबान के साथ बातचीत कर रहा है। उदाहरण के लिए, पिछले साल, वरिष्ठ भारतीय राजनयिक जेपी सिंह ने दो बार अफ़गानिस्तान का दौरा किया। एक बार मार्च में मुत्ताकी से मिलने के लिए और फिर नवंबर में कार्यवाहक रक्षा मंत्री मोहम्मद याकूब मुजाहिद से मिलने के लिए। फिर इस जनवरी में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने दुबई में आमिर खान मुत्ताकी के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक में वरिष्ठ भारतीय राजनयिकों के एक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। तालिबान सरकार ने भारत के साथ राजनीतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत रखने की इच्छा जताई। भारत को एक महत्वपूर्ण क्षेत्रीय और आर्थिक शक्ति बताया। कथित तौर पर बातचीत व्यापार का विस्तार करने और ईरान के चाबहार बंदरगाह का लाभ उठाने पर केंद्रित थी, जिसे भारत पाकिस्तान के कराची और ग्वादर बंदरगाहों को बायपास करने के लिए विकसित कर रहा है। अप्रैल के आखिरी हफ्ते में दिल्ली ने विदेश मंत्रालय में पाकिस्तान, अफ़गानिस्तान और ईरान के प्रभारी संयुक्त सचिव एम आनंद प्रकाश को काबुल भेजा। उल्लेखनीय है कि यह यात्रा पहलगाम आतंकी हमले को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के बीच हुई। हालाँकि, यह पता नहीं चल पाया है कि प्रकाश-मुत्तकी वार्ता में यह मुद्दा उठा या नहीं। लेकिन साथ ही, अफ़गान विदेश मंत्रालय ने पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की। इसके प्रवक्ता अब्दुल कहर बल्खी ने कहा कि अफ़गानिस्तान के इस्लामिक अमीरात का विदेश मंत्रालय जम्मू-कश्मीर के पहलगाम क्षेत्र में पर्यटकों पर हाल ही में हुए हमले की कड़ी निंदा करता है और शोक संतप्त परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त करता है।

भारत तालिबान को अपने साथ क्यों ला रहा है

अफ़गानिस्तान के साथ भारत का जुड़ाव रणनीतिक है। कई विशेषज्ञों का मानना ??है कि तालिबान के साथ जुड़कर नई दिल्ली पाकिस्तान को दूर रख रही है। जैसा कि द डिप्लोमैट ने बताया है, अगर भारत तालिबान के साथ जुड़ता है, तो इससे भारत को निशाना बनाने वाले आतंकवादियों के प्रवाह को रोकने में मदद मिल सकती है। पाकिस्तान में भारत के पूर्व राजदूत अजय बिसारिया भी बताते हैं कि तालिबान के साथ जुड़कर नई दिल्ली एक ऐसा समझौता करने की उम्मीद कर रही है, जिसमें यह सुनिश्चित हो कि अफ़गान धरती का इस्तेमाल किसी भी भारत विरोधी गतिविधि के लिए न किया जाए। चीन फैक्टर भी है। जैसा कि अफगानिस्तान विशेषज्ञ शांति मैरिएट डिसूजा ने डीडब्ल्यू को बताया कि भारत का लक्ष्य उस क्षेत्र में अपना प्रभाव बहाल करना है, जहां चीन ने अगस्त 2021 से अपनी उपस्थिति काफी बढ़ा दी है। यह देखना बाकी है कि आगे क्या होता है, लेकिन फिलहाल अनिश्चितता सामान्य बात लगती है।

वर्ग पहेली 5747

संकेत: बाएं से दाएं
1. यह अंतरजाल पर स्थित एक निशुल्क सामाजिक नेटवर्किंग सेवा है (4)
4. मुगल शासक शेरशाह का असली नाम यह था, उसे शेर खां की उपाधि बहार खां लोहानी ने दी थी (3)
7. आसमान, गगन, अंबर, आकाश (3)
8. पुरुषोत्तम मास, अधिमास (4)
9. स्वास्थ्य, तंदुरुस्ती (3)
10. कैदखाना, बंदीगृह, कारागृह (2)
11. फल आदि के अंदर का गुदगुदा भाग, किसी चीज के अंदर का गोला गाढ़ा सार भाग, मज्जा (2)
14. मन प्रसन्न करने की क्रिया, क्रीड़ा, विलास (3)
16. दो की संख्या, निग्रह (2)
18. तनने की क्रिया, खिंचाव, द्वेष (3)
20. ग्राम, गांव (3)
22. मुर्गे आदि पक्षी के सिर पर निकला हुआ बालों का गुच्छा (3)
24. वन में उत्पन्न वस्तु (3)
25. संगीत का ऋषभ सूचक शब्द (1)
26. धातु को पीट और खींचकर बनाया गया तागा या तुंत, टेलीग्राम (2)

ऊपर से नीचे(2)
1. श्वसन तंत्र संबंधित एक अंग (3)
2. सिलवट, सिकुड़न, ऐंठ (2)
3. पुस्तक विक्रेता को अंग्रेजी में यह कहते है (5)
4. नतीजा, परिणाम, कर्मों का भोग (2)
5. एक दिवंगत चरित्र अभिनेत्री (4)
6. दो अंकों की सबसे छोटी संख्या (2)
8. मतों की गिनती (5)
12. आंचल या पल्ला पकड़ने वाला (5)
13. सुप्रसिद्ध कृति गीत-गोविंद के रचयिता (4)
15. राय, दार्शनिक प्रणाली, वोट, अभिप्रेत (2)
17. विशाल, श्रेष्ठ, बहुत बड़ा (3)
19. बगला नामक पक्षी को यह भी कहते है (2)
21. दारचीनी जाति का एक वृक्ष जिसकी छाल औषधि बनाने की काम आती है (2)
23. कोमल कांड, सुंदर स्त्री, सुप्रसिद्ध स्वर साम्राज्ञी (सिर्फ आरंभिक नाम) (2)

वर्ग पहेली 5746 का हल

स्पे	न		अ	ज			
श	म	क		ल	ह	रा	ना
ल	क	वा		ज	य	मा	ला
	ह	य	शा	ला		नु	
फौ	ला	द			मा	ज	रा
ज	ल		अ	म	न		शि
		बा	ज़ा		हा	थ	
प्र	ज	न	न		नि	ल	य

मन के साथ जबरदस्ती की तो वह बागी हो जाएगा... सरल बनना ही सूत्र

(ज्योति भास्कर)

कुछ लोग मानसिक समस्या से मुक्त होने के लिए मन को जबर्दस्ती अपने कब्जे में लेना चाहते हैं, पर वह?आसानी से काबू में कहां आता है? उसे नियंत्रित करने का एक ही उपाय है-उससे मित्रता का व्यवहार।

सप्ताह में सात दिन होते हैं। इनमें से रविवार अवकाश का दिन होता है। सरकारी कार्यालयों में शनिवार भी आधी छुट्टी का दिन होता है। अब तो सप्ताह सात के बजाय पांच दिन का होने लगा है। लेकिन मन बेचारा रात-दिन काम में जुटा रहता है। एक क्षण के लिए भी छुट्टी नहीं लेता। क्या ही अच्छा रहे कि मन भी रविवार के दिन छुट्टी मनाया करे! मन को भी अवकाश मिलना चाहिए। लेकिन प्रश्न है कि मन को छुट्टी मिले कैसे? छुट्टी न भी मिले तो कोई बात नहीं, किंतु बुरे विचारों और नकारात्मक विचारों से तो इसे बचाया ही जाना चाहिए।

मन में कचरा भरा है, तो किसी अच्छे चिंतन के लिए अवकाश कहां रहता है? एक व्यक्ति किसी महात्मा के पास गया और निवेदन किया कि उपदेश सुनाएं। महात्मा को उस व्यक्ति का आभामंडल अच्छा नहीं लगा। दूसरे शब्दों में कहें, तो वह व्यक्ति महात्मा जी को उपदेश ग्रहण करने का पात्र नहीं लगा। उसकी आकृति और प्रकृति बता रही थी कि यह अतिशय चंचल मन वाला व्यक्ति है।

महात्मा जी ने टालने के अंदाज में कहा, 'फिर कभी आना।' उस व्यक्ति ने कहा, 'कोई बात नहीं, कभी अमृत वचन सुनाने की कृपा कर दीजिएगा, किंतु आज इतनी कृपा कर दें कि मेरे हाथ से थोड़ी-सी भिक्षा ग्रहण करें।' साधु ने स्वीकृति दे दी। महात्मा जी अपने कक्ष में गए। वहां से एक पात्र लेकर आए और उस व्यक्ति के साथ उसके घर गए। वहां भिक्षा लेने के लिए जब झोली से पात्र निकाला तो देखा उसमें कूड़ा, करकट और मिट्टी भरी है। भक्त ने भिक्षा देने के लिए बढ़ाया हुआ अपना हाथ रोक लिया। बोला, 'महाराज! पात्र में तो गंदगी भरी है। इसमें खीर और मालपुए के लिए गुंजाइश कहां है? पहले पात्र को खाली करें। अन्यथा इसमें भी जो अच्छी चीज डाली जाएगी, वह खराब हो जाएगी।'

महात्मा जी ने कहा, 'मैंने भी तुम्हें इसलिए उपदेश नहीं दिया, क्योंकि तुम खाली नहीं हो। बहुत-सी गंदी चीजें तुम्हारे मन में भरी हुई हैं। पहले मन को उनसे खाली करो, फिर अच्छी चीज के लिए उसमें जगह मिलेगी। अभी जो भी उसमें डाला जाएगा, वह अच्छा होकर भी खराब हो जाएगा। इसलिए मन के शोधन का उपाय खोजें। महर्षि पतंजलि ने योगसूत्र में लिखा है, 'योगश्चित्तवृत्तिनिरोधः।' योग का मतलब है चित्तवृत्ति का निरोध करना। जितना शोधन, उतना अच्छा निरोध। मन के साथ जबर्दस्ती नहीं चलती। मन के साथ अगर कोई जबर्दस्ती करने की कोशिश करेगा, तो वह बागी हो जाएगा। मन को नियंत्रित करने के लिए शोधन का उपाय काम में लिया जाना चाहिए। कुछ लोग मानसिक समस्या से मुक्त होने के लिए मन को जबर्दस्ती अपने कब्जे में लेना चाहते हैं। लेकिन मन आसानी से काबू में कहां आता है? मन को नियंत्रित करने का एक ही उपाय है-शोधन। उसके साथ मित्रता का व्यवहार करें। अपने भीतर की दुनिया को देखें, भाव जगत को देखें। भावों को समझने का प्रयत्न करें, सूक्ष्म की ओर जाएं, तो व्यक्ति अपने लिए दूसरों के लिए भी उपयोगी हो सकता है, शांतिमय वातावरण का निर्माण कर सकता है।

आज का राशिफल

मेष

आज दिन सम्मान से भरा होगा। धार्मिक और सामाजिक गतिविधियों में आपकी भागीदारी बढ़ने से आपको लाभ होगा। जिससे नए व्यवसायिक अवसर प्राप्त होंगे। करियर में उत्थान के लिए दिन अनुकूल है। प्रॉपर्टी से जुड़े कामकाज या सौदे लाभ देंगे।

वृष

आज दिन लाभ से भरा होगा और घर में खर्चों की वृद्धि संभव है, लेकिन आर्थिक स्थिति संतुलित रहेगी। जीवनशैली को बेहतर बनाने की सोच प्रमुख रहेगी। रियल एस्टेट, ऑटोमोबाइल या घरेलू सामग्रियों से जुड़े व्यापारियों को अच्छा मुनाफा होगा। ऑफिस में उच्च अधिकारियों से मेल-जोल बढ़ेगा, जिससे पदोन्नति के द्वार खुलेंगे।

मिथुन

आज लाभ होगा और आपकी कार्यक्षमता सभी को चकित करेगी। कार्यक्षेत्र में अप्रत्याशित प्रगति होगी, जिससे आत्मविश्वास और बढ़ेगा। आपको कोई नया क्लाइंट या प्रॉजेक्ट मिल सकता है जो भविष्य में आर्थिक रूप से फायदेमंद साबित होगा।

कर्क

आज धन के मामले में लाभ होगा और धन की अधिक आवश्यकता महसूस हो सकती है। भाई-बहनों से संबंधित कोई आर्थिक निर्णय लेना पड़ सकता है। करियर में कुछ नया करने का अवसर मिल सकता है।

सिंह

आज दिन का आरंभ बहुत ही शानदार हो सकता है। करियर में नई ऊंचाइयां छूने का अवसर मिलेगा। कोई पुराना प्रॉजेक्ट जो अधूरा था, अब पुनः सक्रिय होगा और आर्थिक लाभ लाएगा। विरोधियों की चालें असफल होंगी। व्यापारी वर्ग के लिए टैक्स या सरकारी कामों में राहत मिल सकती है।

कन्या

आज ग्रहों की स्थिति आपके लिए करियर में तेज़ी और चुनौतियां दोनों ला सकती है। अत्यधिक व्यस्तता के बावजूद आप अपने कार्यों को उत्साहपूर्वक पूरा करेंगे। आय में वृद्धि के संकेत हैं, लेकिन मेहनत उससे अधिक करनी पड़ेगी।

तुला

आज किसी कारण से मानसिक तनाव में रह सकते हैं, जिसका असर आपके निर्णयों पर पड़ सकता है। पैसों की चिंता कुछ हद तक वास्तविक है, परंतु कुछ भ्रम और संदेह आपके खुद के मन से उपजे हैं। ऑफिस में सहकर्मियों से विवाद की स्थिति बन सकती है।

वृश्चिक

आज दिन करियर और धन दोनों क्षेत्रों में धीरे-धीरे सुधार लेकर आ रहा है। जो लोग लंबे समय से आर्थिक तंगी का सामना कर रहे थे, उन्हें राहत मिलने के संकेत हैं। किसी बड़े क्लाइंट से डील फाइनल हो सकती है। पार्ट टाइम काम या फ्रीलांसिंग के जरिए अतिरिक्त आमदनी के स्रोत खुल सकते हैं।

धनु

आज दिन सफलता से भरा होगा और आपको किसी महत्वपूर्ण संपर्क से लाभ मिल सकता है। कोई पुराना क्लाइंट या कस्टमर दोबारा आपके पास आ सकता है। व्यवसाय में रुकावटें समाप्त होंगी और आपको नई शुरुआत का अवसर मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

मकर

आज दिन पेशेवर अस्थिरता और तनाव के साथ शुरू हो सकता है, लेकिन धीरे-धीरे चीजें ठीक होंगी। नौकरी में नई ज़िम्मेदारियां मिल सकती हैं जिससे आपकी स्थिति मजबूत होगी। बिजनस में उतार-चढ़ाव रहेगा, लेकिन यदि आपने हाल ही में कोई बड़ा निवेश किया है।

कुंभ

आज उच्चाधिकारियों से अच्छा सहयोग मिलेगा जिससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। आयात-निर्यात या विदेशी व्यापार से जुड़े लोगों को बड़ी डील मिलने की संभावना है। मीडियाकर्मी, कलाकार और लेखक आज रचनात्मक ऊंचाई तक पहुंच सकते हैं। धार्मिक और आध्यात्मिक रुचि आपकी एकाग्रता बढ़ाएगी।

मीन

आज आप साहसिक फैसले ले सकते हैं और उनका लाभ भी मिलेगा। शोध, शिक्षा, योग, आयुर्वेद और आध्यात्म से जुड़े कार्यों में आपको प्रसिद्धि और धन दोनों मिलेगा। गुप्त शत्रुओं और ईर्ष्यालु साथियों से सतर्क रहें। कोई पुराना कर्ज वापस मिल सकता है, लेकिन किसी को उधार देने से बचें।

संक्षिप्त समाचार

जौनपुर में भीषण सड़क हादसा, बस पलटने से 4 की मौत, 30 घायल

जौनपुर, एजेंसी। यूपी के जौनपुर के बक्सा थाना क्षेत्र स्थित शंभूगंज बाजार के पास शुक्रवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। बदलापुर से जौनपुर की ओर आ रही एक प्राइवेट बस की स्टेयरिंग फेल हो जाने की वजह से अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 घायल है। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। राहत-बचाव कार्य शुरू कराया गया। सभी घायलों को नैपेड़वा सीएचसी भेज गया। घायलों में 15 की हालत गंभीर है। जिला अस्पताल रेफर किए गए हैं। वहीं पुलिस ने हादसे वाली बस को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। प्राइवेट बस बदलापुर के घनश्यामपुर से जौनपुर के लिए 55 सवारियों को लेकर चली थी। शुक्रवार की सुबह करीब 9 बजे बस शंभूगंज बाजार के पास पहुंची थी। इस बीच प्राइवेट बस की अचानक स्टेयरिंग फेल हो जाने की वजह से अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे के बाद यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। अफरातफरी मच गई। मौके पर आसपास के लोगों की भीड़ जुट गई। दर्दनाक हादसे में चार लोगों की मौके पर मौत हो गई। 30 लोग घायल हो गए। हादसे की सूचना के बाद पहुंची पुलिस ने राहत-बचाव कार्य शुरू कराया। पुलिस ने सभी घायलों को प्राथमिक इलाज के लिए नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया है, जहां घायलों में 15 की हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। लोगों की मानें तो बस तेज रफ्तार में थी। स्टेयरिंग फेल होने के कारण बेकाबू हो गई और पलट गई है। पुलिस हादसे की जांच में जुट गई है।

अयोध्या, मथुरा-वृंदावन समेत यूपी के 7 शहरों में योगी सरकार स्मार्ट पार्किंग की सुविधाएं देने जा रही है

अयोध्या, एजेंसी। योगी सरकार उत्तर प्रदेश के सात शहरों अयोध्या, गोरखपुर, मथुरा-वृंदावन, शाहजहांपुर, मेरठ, गाजियाबाद व फिरोजाबाद में दो सालों में स्मार्ट पार्किंग की सुविधाएं देने जा रही है। इन शहरों में राज्य स्मार्ट सिटी योजना में न्यूनतम 250-250 करोड़ रुपये के काम कराए जाने हैं। शहरों से इस संबंध में प्रस्ताव उपलब्ध कराने के लिए कहा गया है। प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात ने इस संबंध में संबंधित नगर निगमों के मंडलायुक्तों के साथ नगर आयुक्तों को निर्देश भेज दिए हैं। योगी सरकार का प्लान है कि प्रदेश के सात शहरों को स्मार्ट सिटी योजना में स्मार्ट रोड, स्मार्ट पार्किंग, आईटीएमएस, स्मार्ट क्लास, जोनल कार्यालय, सोलर स्ट्रीट लाइट, सीनियर केयर सेंटर, हेल्थ एटीएम, पार्क और ओपेन जिम की सुविधाएं दी जाएं। इन शहरों में कुल 1750 करोड़ रुपये खर्च होने हैं। इन शहरों में अभी तक आधे से अधिक काम हो जाने चाहिए थे, लेकिन अधिकारियों की लापरवाही की वजह से अधिकतर शहरों द्वारा प्रस्ताव ही नहीं भेजे गए। शासनादेश में कहा गया है कि अयोध्या, गोरखपुर, मथुरा-वृंदावन, शाहजहांपुर, मेरठ, गाजियाबाद और फिरोजाबाद शहरों में वार्डवार योजनाएं चिह्नित की जाएंगी। इसके आधार पर प्रस्ताव बनाते हुए शासन को उपलब्ध कराया जाएगा। इन प्रस्तावों के आधार पर शासन स्तर से पैसे दिए जाएंगे और तय समय में नगर निगमों को यह काम कराना है। शासनादेश में कहा गया है कि पहले पांच साल संबंधित नगर निगमों को काम कराने और प्रस्ताव उपलब्ध कराने के लिए दिए जा चुके हैं, अब दो साल और दिए जा रहे हैं। इसलिए इन दो सालों में नगर निगमों में द्वारा शहर में बेहतर सुविधाएं देने के लिए काम कराए जाएंगे। इसमें जरूरत के आधार पर लोगों से सुझाव भी लिए जा सकते हैं।

कुत्ते ने लिफ्ट में पड़ोसी को काटा, कोर्ट ने मालिक को सुनाई 4 महीने की कठोर सजा

मुंबई, एजेंसी। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में कुत्ते के काटने की घटना में अदालत ने अपना फैसला सुनाया है। कोर्ट ने एक 40 साल के व्यक्ति को उसके पालतू कुत्ते के द्वारा पड़ोसी को लिफ्ट में काटे जाने के मामले में चार महीने की कठोर कैद और 4,000 रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। यह मामला शहर के वर्ली स्थित अल्फा अपार्टमेंट्स का है। आरोपी ऋषभ पटेल को जानबूझकर चोट पहुंचाने और पालतू जानवर के साथ लापरवाही बरतने के आरोप में दोषी ठहराया गया है। मजिस्ट्रेट सुहास भोसले ने कहा, सीसीटीवी फुटेज में साफ दिखता है कि आरोपी अपने ही पालतू कुत्ते को जबरन लिफ्ट में घसीटता है। इससे साफ है कि उसे न तो अपने पालतू जानवर की चिंता थी, न ही लिफ्ट में मौजूद लोगों की। उन्होंने आगे कहा, ऐसे कृत्य के लिए अदालत बहुत अधिक नरमी नहीं बरत सकती। घटना तीसरी मंजिल पर लिफ्ट के दरवाजे खुलने के समय की है, जब पीड़ित रामिक शाह, उनका डेढ़ साल का बेटा और घरेलू नौकर अनुज सिंह चौथी मंजिल से नीचे जा रहे थे। शाह ने पटेल से अनुरोध किया कि उनका बेटा कुत्तों से डरता है। थोड़ी देर लिफ्ट में चढ़ने से रुकने के लिए कहा। लेकिन पटेल ने इस आग्रह को नजरअंदाज करते हुए, हस्की को खींचते हुए लिफ्ट में जबरन प्रवेश कर लिया। इसके बाद हस्की ने शाह की बांह पर काट लिया। शाह के अनुसार, वह और उनका परिवार लिफ्ट से बाहर निकल गए लेकिन पटेल ने उन्हें पीछा करते हुए कहा, जो करना है कर लो। इसके बाद शाह ने अपना इलाज कराया और पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई। मुकदमे के दौरान शाह और घरेलू नौकर अनुज सिंह ने घटना की पुष्टि करते हुए बयान दिया।

कांग्रेस पर फिर बरसे भाजपा सांसद निशिकांत दुबे, कहा-

मुंबई आतंकी हमलों में मारे गए लोगों की चिता की आग ठंडी भी न हुई थी, यूएस के दबाव में पाक से क्यों की बात?

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र की सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी के सांसद निशिकांत दुबे ने एक बार फिर कांग्रेस पर करारा हमला बोला है और आरोप लगाया है कि 26/11 के मुंबई आतंकी हमलों में मारे गए 180 लोगों की चिता की आग अभी ठंडी भी नहीं हुई थी कि केंद्र की तत्कालीन मनमोहन सिंह सरकार ने अमेरिकी दबाव में आकर दुश्मन देश पाकिस्तान से बातचीत शुरू कर दी थी। उन्होंने अपनी बात के समर्थन में लोकसभा में पूर्व पीएम मनमोहन सिंह का दिया बयान भी सोशल मीडिया पर साझा किया है। सोशल मीडिया एक्स पर शुक्रवार को पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार की आलोचना करते हुए दुबे ने आरोप लगाया कि अमेरिका के दबाव में संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (यूपीए) ने 26/11 के मुंबई आतंकवादी हमलों के तुरंत बाद पाकिस्तान के साथ बातचीत फिर से शुरू करने का फैसला किया था। एक्स पर साझा उस पोस्ट में दुबे ने जुलाई 2009 में मिस्र के शर्म अल-शेख में मनमोहन सिंह और पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री यूसुफ रजा गिलानी के बीच हुई बैठक का जिक्र किया है और कहा है कि यह नवंबर 2008 के मुंबई हमलों के बाद दोनों देशों के बीच पहली औपचारिक बातचीत थी।

निशिकांत दुबे ने क्या लिखा : निशिकांत दुबे ने बैठक के समय पर सवाल उठाते हुए लिखा, मुम्बई में पाकिस्तान ने हमला 26 नवंबर 2008 को किया। 180 लोग मरे व 300 घायल हुए,चिता की आग ठंडी भी नहीं हुई, 1 दिसंबर से बिना पाकिस्तान पर आक्रमण किए बातचीत अमेरिकी दबाव में शुरू किया या नहीं, यह वक्तव्य प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह जी का है लोकसभा में?

जनवरी 2009 में विदेश मंत्रियों की बैठक हुई थी या नहीं? भाजपा नेता ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान के साथ बातचीत न केवल समय से पहले हुई बल्कि बाहरी ताकतों, खासकर संयुक्त राज्य अमेरिका से प्रभावित भी थी। उन्होंने 2009 के कई उदाहरणों का हवाला दिया जहां भारतीय और पाकिस्तानी नेताओं ने कूटनीतिक बातचीत की। उन्होंने पूछा, जनवरी 2009 में विदेश मंत्रियों की बैठक हुई थी या नहीं? जून 2009 में रूस में पाकिस्तान के राष्ट्रपति जरदारी से किसी तीसरे देश की मध्यस्थता में मिले थे या नहीं? जुलाई 2009 में अमेरिकी दबाव में शर्मल शेख मिस्र गए थे और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री से समझौता किया था या नहीं?

कांग्रेस पार्टी के कथित नरम रवैये की भी आलोचना : 2011 में हुई एक और बड़ी आतंकी घटना का जिक्र करते हुए दुबे ने कहा कि इस तरह के हमले पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को लगातार समर्थन दिए जाने को उजागर करते हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के कथित नरम रवैये की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, 2011 में फिर से मुंबई में विस्फोट हुआ, जिसमें 26 लोग मारे गए और 200 लोग घायल हो गए। प्रधानमंत्री मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर करके हमारा सिर ऊंचा किया, सालों बाद पाकिस्तान दहशत में है। कांग्रेस पूरी तरह से आतंकी पाकिस्तान के साथ मिली हुई है। जनता जाए भाड़ में।

राजीव गांधी सरकार की भी आलोचना : इससे पहले, गुरुवार को एक पोस्ट में दुबे ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के कार्यकाल के दौरान 1988 में पाकिस्तान के साथ हुए कथित परमाणु समझौते को लेकर भी कांग्रेस पर निशाना साधा था। दुबे के अनुसार, इस समझौते पर अमेरिकी दबाव के तहत हस्ताक्षर किए गए थे। उन्होंने कथित रूप से गोपनीय पत्र पोस्ट किया था, जिसके बारे में उनका दावा है कि यह पत्र पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने राजीव गांधी को भेजा था, जिसमें भारत-पाकिस्तान वार्ता के लिए एजेंडा निर्धारित करने में अमेरिका की भूमिका को रेखांकित किया गया था। दुबे ने अपने पोस्ट में लिखा, कांग्रेस क्यों नाराज है? जब मैंने यह पत्र देखा, तो मुझे शर्मिंदगी महसूस हुई। अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी को यह पत्र/टेलीग्राम भेजा था। अमेरिकी दबाव में हमने पाकिस्तानी राष्ट्रपति जनरल जिया से बात की। वार्ता का एजेंडा अमेरिकी राष्ट्रपति ने तय किया था। इस पत्र के बाद हमें जो समझ में आया, वह यह था कि पाकिस्तान और हमने 1988 में अमेरिकी दबाव में परमाणु समझौता किया था।

इन दिनों विदेश दौरे पर हैं निशिकांत दुबे : उन्होंने आगे कहा, अफगानिस्तान समस्या पर हमने अपने मित्र सोवियत रूस से जो भी बात की, वह अमेरिकी एजेंडा था। क्या यह शिमला समझौता है? क्या आयरन लेडी गुलामी की मानसिकता है? क्या हम उस समय एक संप्रभु राष्ट्र थे।

एक्सप्रेसवे पर कार से डेढ़ करोड़ रुपये समेत 450 ग्राम सोना सीज, व्यापारी को आयकर विभाग का नोटिस

मथुरा, एजेंसी। यूपी में यमुना एक्सप्रेस वे पर कार से मिले करीब डेढ़ करोड़ रुपये और साढ़े चार सौ ग्राम सोने के मामले में आयकर विभाग ने व्यापारी दीपक खंडेलवाल को नोटिस थमा दिया है। उससे इसके बारे में दो दिन में जवाब मांगा है। बताते चलें कि गोविंद नगर थाना क्षेत्र की माधव कुंज कॉलोनी, मसानी रोड निवासी दीपक खण्डेलवाल सोने-चांदी की सप्लाई का व्यापार करता है। बुधवार को दीपक आगरा में सामान सप्लाई करने के बाद पेमेंट व बचा हुआ सोना लेकर अपनी कार से दिल्ली की ओर जा रहे थे। सूचना मिलने पर आयकर विभाग सक्रिय हो गया। आनन-फानन में थाना प्रभारी निरीक्षक मांट जसवीर सिंह और आयकर अधिकारी आगरा लोकेश उत्प्रेति अपनी टीम के साथ यमुना एक्सप्रेस वे के मांट टोल प्लाजा पर वाहन चेकिंग में जुट गए। आयकर व पुलिस की संयुक्त टीम ने बुधवार देर शाम आगरा की ओर से आ रही स्विफ्ट कार को रोका गया। पूरी रात आयकर विभाग के अधिकारी दीपक खंडेलवाल से पूछताछ करते रहे लेकिन गाड़ी में मिले करीब डेढ़ करोड़ रुपये व 452 ग्राम सोने के बारे में दीपक कोई संतोषजनक जवाब नहीं दे सका। इस पर टीम ने सोना व नकदी सीज कर दी। आयकर अधिकारी उत्प्रेति ने गुरुवार की सुबह बताया कि बरामद रुपये वसोने को फिलहाल मांट पुलिस के सुपुर्द किया गया है और दीपक खण्डेलवाल को नोटिस देकर बरामद रुपये व सोने के बाबत जवाब मांगा गया है। जवाब मिलने के बाद आगामी कार्रवाई की जाएगी। एसपी देहात ने बताया कि आयकर विभाग से मिले इनपुट के आधार पर पुलिस टीम ने एक्सप्रेस वे से काफी नकदी व सोना व्यापारी की कार से बरामद किया। आयकर टीम ने जांच कर साढ़े चार सौ ग्राम सोना, करीब एक करोड़ 49 लाख नकदी सीज कर दी है। यमुना एक्सप्रेस वे पर पूर्व में भी सोना व रुपया पकड़ा जा चुका है। यह बात दीगर है कि दोनों मामलों में कोई खास कार्रवाई न कर सोने व रुपयों को रिलीज कर दिया गया। आठ दिसम्बर 2023 को गोरखपुर के अश्वनी कुमार की गाड़ी से दो करोड़ रुपया पुलिस व आबकारी विभाग ने पकड़ा था। कई दिनों की जांच के बाद रुपया रिलीज कर दिया गया। 21 अक्तूबर 24 को एक कार से पुलिस व आबकारी टीम ने करीब दस करोड़ के जेवरात पकड़े थे, जिन्हें कई दिनों की जांच के बाद जीएसटी विभाग ने वापस कर दिया था।

लखनऊ में पुलिस एनकाउंटर, प्रॉपर्टी डीलर को दौड़कर गोली मारने वाला आरोपित फरमान गिरफ्तार

लखनऊ , एजेंसी। राजधानी लखनऊ में सर्वोदय नगर बंधा रोड पर प्रॉपर्टी डीलर मुरसलीन को दौड़ा कर गोलियां मारने के आरोपित फरमान को गाजीपुर पुलिस ने शुक्रवार तड़के एनकाउंटर में गिरफ्तार कर लिया है। बदमाश के पैर में गोली लगी है। उसके कब्जे से सफेद रंग की कर और एक तमंचा बरामद हुआ है। वही इस मामले में तीन आरोपित पहले ही पकड़े जा चुके हैं।

डीसीपी पूर्वी शशांक सिंह के मुताबिक, शुक्रवार तड़के गाजीपुर पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी। तभी ए ब्लॉक आम्रपाली की तरफ से सफेद रंग की एक कार आई नजर आई। पुलिस टीम ने रोकने का इशारा किया तो ड्राइवर ने कार दौड़ा दी। कार नियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई। इसके बाद कार ड्राइवर ने तमंचा निकाल कर पुलिस टीम पर फायर कर दिया। जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगने से वह गिर पड़ा। बदमाश की पहचान तकरोही निवासी फरमान के रूप में हुई। पूछताछ में आरोपित फरमान ने बालाजी भोजनालय में प्रॉपर्टी डीलर मुरसलीन पर गोली मारने की बात कबूल की। फरमान को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। आपको बता दें कि सर्वोदयनगर बंधा रोड पर बालाजी में रविवार शाम करीब सवा पांच बजे 10-12 दबंगों ने 35 वर्षीय प्रापर्टी डीलर मुरसलीन को तीन गोलियां मारी थी।

सुरक्षाबलों के एक्शन से टूटी लाल आतंक की कमर, बस्तर हुआ नक्सलमुक्त, रेड लिस्ट से भी हटा

बस्तर, एजेंसी। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बस्तर जिले को केंद्र सरकार ने नक्सल मुक्त घोषित कर दिया है। बस्तर संभाग का बस्तर नक्सलमुक्त एलडब्ल्यूई जिले की सूची से बाहर हो गया है। 1980 के दशक में बस्तर अति नक्सल प्रभावित जिला हुआ करता था,लेकिन लगातार सुरक्षा बलों की पैठ से बस्तर के अंदरूनी इलाकों में फोर्स ने कब्जा जमा लिया। यही कारण है कि अब केंद्र सरकार ने बस्तर को लेफ्ट विंग एक्टिविज्म से मुक्त घोषित कर दिया है। छत्तीसगढ़ के अबूझमाड़ जंगल में माओवादी संगठन के महासचिव खूंखार नक्सली बसवा राजू की मौत के सप्ताहभर बाद यह बातें सामने आई है। बता दें कि कई दशक तक नक्सलियों का मुख्य किला रहा बस्तर अब नक्सलवाद से मुक्त हो चुका है। केंद्र सरकार ने एलडब्ल्यूई जिलों को मिलने वाली विशेष केंद्रीय मदद को भी बस्तर में बंद कर दिया है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने कहा कि बस्तर के इलाकों में कैंप स्थापित होने से नक्सलियों की कमर टूट चुकी हैं। लगातार फोर्स के दबाव के कारण नक्सली संगठन बैकफुट पर है। सैंकड़ों नक्सलियों ने सरेंडर किया है। पुलिस आगे भी रणनीति बनाकर काम करेगी। बस्तर के कलेक्टर हरीश एस. ने बताया कि अब जिला एलडब्ल्यूई की सूची से हटकर एक लेगसी डिस्ट्रिक्ट के रूप में स्थापित हो चुका है। बस्तर जिले में नक्सलवाद खत्म हो गया है, लेकिन फोर्स की अभी तैनाती रहेगी। बस्तर आईजी ने कहा कि

सुरक्षा जरूरी है। नक्सल मूवमेंट को अंडरस्टीमेंट नहीं कर सकते। दरभा के झीरम में हुआ था बड़ा हमला बता दें कि बस्तर वह जिला है, जहां से अबूझमाड़ और ओडिशा की एक बड़ी लंबी सीमा लगती थी। यहां से दरभा कोलेंग, तुलसीडोगरी, चांदामेटा की पहाड़ियों पर 2 साल पहले तक फोर्स का पहुंचना मुश्किल माना जाता था। इसी जिले की दरभा घाटी में नक्सलियों ने सबसे बड़ा राजनीतिक हमला किया था, झीरमघाटी हमले में कांग्रेस पार्टी के कई दिग्गज नेताओं की मौत हुई थी। अब वही बस्तर नक्सल मुक्त घोषित किया गया है। अति नक्सलवाद प्रभावित जिलों में कांकेर, नारायणपुर, सुकमा और बीजापुर जिला शामिल है। दंतेवाड़ा जिले में नक्सलवादी घटनाओं में कमी आई है। बस्तर में नक्सली हिंसा पहले की तुलना में खत्म हो गया है। नक्सलियों के पास एक ही विकल्प- सरेंडर बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने कहा कि बीते वर्षों में सुरक्षा बलों के एक्शन, फोर्स के कैंप खोलने, राज्य सरकार और स्थानीय जनता के संयुक्त प्रयासों से बस्तर में शांति की बहाली हुई है। लगातार चल रहे विकास कार्य, सड़क निर्माण, शिक्षा व स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच और प्रशासन की सक्रियता ने बस्तर को नक्सलवाद से बाहर निकालने में अहम भूमिका निभाई। सुरक्षा बलों के एक्शन से माओवादी संगठन बैकफुट पर है। नक्सलियों का जनाधार कमजोर हो रहा है। जल्द ही पूरे बस्तर संभाग से नक्सलियों का खात्मा हो जाएगा।

एक ट्रक विस्फोटक लूट ले गए नक्सली, ओडिशा में हड़कंप; एनआईए ने अपने हाथ में ली जांच

सुंदरगढ़, एजेंसी। ओडिशा के सुंदरगढ़ जिले में मंगलवार को संदिग्ध माओवादियों द्वारा भारी मात्रा में विस्फोटकों की लूट के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को जांच शुरू कर दी है। उप महानिरीक्षक (डीआईजी), पुलिस अधीक्षक (एसपी) और एडिशनल एसपी समेत एनआईए के वरिष्ठ अधिकारियों ने राउरकेला का दौरा किया। एनआईए ने मंगलवार को सुंदरगढ़ जिले के बांको में पत्थर खदान में ले जाए जा रहे जिलेटिन के करीब 200 पैकेटों की माओवादियों द्वारा लूट मामले की जांच शुरू कर दी है। पश्चिमी रेंज के डीआईजी बृजेश राय ने राउरकेला में संवाददाताओं को बताया, विस्फोटकों की लूट की जांच के लिए ओडिशा पुलिस एनआईए को सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रही है। उन्होंने बताया कि पुलिस ने विस्फोटक सामग्री ले जा रहे ट्रक के चालक के बयान के आधार पर इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है। डीआईजी बृजेश रे ने बताया, 27 मई को सूचना मिली थी कि विस्फोटकों से भरा

एक ट्रक किसी खास जगह ले जाया गया और उसे खाली किया गया। सूचना की पुष्टि करने के लिए पुलिस मौके पर पहुंची और पाया कि एक पत्थर की खदान में विस्फोट होने वाला था। जांच करने पर पता चला कि कुछ लोगों ने विस्फोटकों से भरी एक वैन को अपने कब्जे में ले लिया है... वैन के ड्राइवर ने बताया कि यह काम 10 लोगों ने किया और उसके बाद 15-20 लोग अनलोडिंग वाली जगह पर थे। कुछ और लोगों ने भी इसी तरह के बयान दिए और पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है... लूट की घटना को देखते हुए डीजीपी ने पूरी स्थिति की समीक्षा की और घटनास्थल का विश्लेषण किया। उन्होंने जिला पुलिस को जरूरी निर्देश दिए और ऑपरेशन को मजबूत करने पर चर्चा की... मौजूदा जांच से पता चला है कि ये लोग झारखंड की सीमा से आए थे और विस्फोटकों को लूटने के बाद वापस चले गए... इस घटना के लिए एनआईए की एक टीम पहुंची है और जानकारी जुटा रही है और जिला पुलिस उन्हें हर तरह की सहायता मुहैया करा रही है...

यह लूट झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले के सारंडा के जंगलों के निकटवर्ती क्षेत्र में हुई, जिसे माओवादियों का गढ़ माना जाता है। कथित तौर पर सशस्त्र बदमाशों ने ड्राइवर को बंदूक के बल पर धमकाया और पास के जंगल में गाड़ी ले जाने को कहा, जहां माओवादियों के एक समूह ने लगभग चार टन विस्फोटक लूट लिया। इस बीच, ओडिशा पुलिस ने झारखंड और सीआरपीएफ के सुरक्षाकर्मियों के साथ मिलकर ओडिशा-झारखंड सीमा क्षेत्र में अभियान तेज कर दिया है।

सरकारी नौकरी के लिए फिजिकल टेस्ट देने वाले 2 लोगों की मौत, अब तक 5 गंवा चुके हैं जान

भुवनेश्वर, एजेंसी। ओडिशा में सरकारी नौकरी हासिल करने की कोशिश में जुटे दो लोगों की मौत हो गई है। खास बात है कि दोनों की मौत नौकरी के लिए दिए गए फिटनेस टेस्ट के बाद हुई है। इसके अलावा 6 अभ्यर्थी अस्पताल में भर्ती हो गए हैं। हालांकि, यह पहली बार नहीं है, जब ऐसा मामला सामने आया हो। बीते दो महीनों में कई अभ्यर्थी फिजिकल टेस्ट के दौरान जान गंवा चुके हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के दौरान गुरुवार को गजपति जिले में 2 होमगार्ड अभ्यर्थियों की मौत हो गई। इनमें 24 वर्षीय सुलंत मिशल और 27 साल के दीपक पडालू का नाम शामिल है। दोनों नारायणपुर गांव के रहने वाले थे। बीते दो महीनों में सरकारी नौकरी के लिए दिए फिजिकल टेस्ट के दौरान 5 लोगों की मौत हो चुकी है। फिलहाल, दीपक और सुलंत की मौत की जांच जारी है।

पुलिस का कहना है कि मिशल ने 10 मिनट में 2 किमी दौड़ पूरी की थी और उनका चयन अगले राउंड के लिए हुआ था। टेस्ट पूरा करने के बाद उन्होंने बेचैनी होने की बात कही, जिसके चलते उन्हें गजपति जिला मुख्यालय अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। वह अपनी मां के साथ रहते थे।

टाइम्स ऑफ इंडिया से बातचीत में गजपति एसपी जतिंद्र कुमार पंडा ने कहा, ऑटोप्सी कराई गई है और मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में प्रक्रिया की वीडियोग्राफी की गई है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह साफ हो सकेगी। पुलिस को संदेह है कि मिशल पहले ही किसी स्वास्थ्य संबंधी परेशानी से जूझ रहे थे।

मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए मृतक के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से चार लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, गजपति में होमगार्ड पदों के लिए भर्ती की खातिर शारीरिक परीक्षण के दौरान सुलंत मिशाल की मृत्यु हो गई। मुख्यमंत्री श्री मोहन चरण माझी ने इस घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया है और मुख्यमंत्री राहत कोष से मृतक के परिजनों को चार लाख रुपये की सहायता राशि देने की घोषणा की है।

इधर, टेस्ट में शामिल होने के बाद दीपक को एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। उन्हें और 6 अन्य लोगों को भी डीएचएच ले जाया गया था, लेकिन तबियत बिगड़ने के बाद दीपक को बेरहमपुर रेफर किया गया। शाम के समय उनकी मौत हो गई। डॉक्टरों को संदेह है कि उनकी मौत हार्ट अटैक की वजह से हुई है।

सिद्धारमैया सरकार फिर से मुस्लिम कोटा बिल राष्ट्रपति को भेजने पर विचार कर रही है

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक की सिद्धारमैया सरकार फिर से मुस्लिम कोटा बिल राष्ट्रपति को भेजने पर विचार कर रही है, जबकि राज्य के राज्यपाल थावरचंद गहलोत दो बार इस विधेयक को लौटा चुके हैं। अब राज्य की कांग्रेस सरकार ने एक बार फिर इस बात पर जोर दिया है कि इस बिल को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के पास भेजा जाए। इस विधेयक में एक करोड़ रुपये तक के सरकारी ठेकों में मुसलमानों को चार फीसदी आरक्षण देने का प्रावधान है। इसी साल मार्च में राज्य विधानमंडल ने इस बिल का पारित किया था। राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कर्नाटक सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता (संशोधन) विधेयक, 2025 को भारत के राष्ट्रपति के विचार के लिए भेजे जाने संबंधी अपने फैसले पर पुनर्विचार करने से बुधवार को इनकार कर दिया था। इससे पहले राज्यपाल गहलोत ने 16 अप्रैल को इस विधेयक को राष्ट्रपति की मंजूरी के लिए सुरक्षित रख लिया था लेकिन 28 मई को सभी संभावनाओं को खारिज कर दिया।

गवर्नर के फैसले को अदालत में चुनौती देने पर विचार : अब राज्य के कानून और संसदीय मामलों के मंत्री एचके पाटिल ने गुरुवार को इस बिल पर अगला कदम उठाने का फैसला लेने के लिए वरिष्ठ अधिकारियों और कानूनी विशेषज्ञों से मिलने की योजना बनाई थी, हालांकि वह बैठक स्थगित कर दी गई। टीओआई की एक

रिपोर्ट में वरिष्ठ अधिकारियों के हवाले से कहा गया है कि सिद्धारमैया सरकार ने अब गवर्नर गहलोत के फैसले को अदालत में चुनौती देने पर विचार किया है और चर्चा की है। रिपोर्ट में कहा गया है कि संवैधानिक विशेषज्ञों ने कथित तौर पर अदालती कार्रवाई ना करने की सलाह दी है। रिपोर्ट में कहा गया है कि कानूनी विशेषज्ञों ने राज्य सरकार से कहा है कि अदालत का दरवाजा खटखटाने की बजाय वैकल्पिक मार्ग तलाशे जाएं। इस बावत आज को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की अध्यक्षता में एक बैठक बुलाई गई है, जिसमें इस मुद्दे पर अनौपचारिक रूप से चर्चा होने की संभावना है।

आपत्तियों के बावजूद विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेजा था बता दें कि गवर्नर थावरचंद गहलोत ने भाजपा की आपत्तियों के बावजूद पहली बार विधेयक को राष्ट्रपति के पास भेज दिया था। भाजपा ने तब इस पर आपत्ति जताते हुए कहा था कि यह बिल संवैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन है क्योंकि इसमें धर्म के आधार पर आरक्षण की व्यवस्था की गई है। दूसरी बार, इस बिल को लौटाते हुए गवर्नर गहलोत ने हाल के एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि उच्चतम न्यायालय ने इस बात पर जोर दिया है कि अनुच्छेद 15 और 16 धर्म के आधार पर आरक्षण पर रोक लगाते हैं और कोई भी सकारात्मक कार्यवाही सामाजिक-आर्थिक कारकों पर आधारित होनी चाहिए। गवर्नर के आदेश में कहा गया है, ''मैं कर्नाटक सार्वजनिक खरीद में पारदर्शिता विधेयक, 2025 को राष्ट्रपति के विचारार्थ आरक्षित करने के निर्णय पर पुनर्विचार न करने के लिए बाध्य हूं।

न्यूजीलैंड के पूर्व कोच डेविड ट्रिस्ट का 77 वर्ष की आयु में निधन

क्राइस्टचर्च, एजेंसी। न्यूजीलैंड के पूर्व कोच डेविड ट्रिस्ट का गुरुवार को क्राइस्टचर्च में 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया। ट्रिस्ट के निधन की पुष्टि न्यूजीलैंड क्रिकेट ने की है। ट्रिस्ट का न्यूजीलैंड को साल 2000 की चैंपियंस ट्रॉफी जिताने में अहम रोल रहा है। ये आईसीसी

ट्रॉफी कीवी टीम ने ट्रिस्ट की कोचिंग में ही जीती थी। ट्रिस्ट कैंटरबरी के पूर्व तेज गेंदबाज थे, जिन्होंने 1968 से 1982 तक 14 साल के खेल करियर के दौरान 24 प्रथम श्रेणी मैच और छह लिस्ट ए मैच खेले। ट्रिस्ट ने 1999 से 2001 तक दो साल न्यूजीलैंड की पुरुष टीम को कोचिंग दी और 15 अक्टूबर 2000 को नैरोबी में आईसीसी नॉकआउट ट्रॉफी जिताई, जो टीम का एकमात्र वैश्विक व्हाइट बॉल खिताब है। फाइनल में न्यूजीलैंड ने क्रिस केर्न्स के नाबाद शतक की मदद से भारत को चार विकेट से हराया था।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने बयान में कहा, पूर्व ब्लैककैप्स कोच डेविड ट्रिस्ट के निधन की पुष्टि करते हुए एनजीसी को गहरा दुख हुआ है, जिनका कल क्राइस्टचर्च में 77 वर्ष की आयु में निधन हो गया। कैंटरबरी और न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज डेविड ने 1999 से 2001 तक ब्लैककैप्स को कोचिंग दी, जिस दौरान उन्होंने नैरोबी में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती। एनजीसी डेविड के परिवार और दोस्तों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता है। अपने प्रथम श्रेणी के करियर में ट्रिस्ट ने 57 विकेट लिए और 1972 में मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में विक्टोरिया के खिलाफ न्यूजीलैंड के लिए खेले। न्यूजीलैंड की भूमिका छोड़ने के बाद, ट्रिस्ट क्राइस्टचर्च के ओल्ड कॉलेजियंस क्रिकेट क्लब के कोचिंग डायरेक्टर बन गए और साथ ही भारत और इंग्लैंड में भी काम किया। इससे पहले उन्होंने 1989-1993 के दौरान कैंटरबरी के साथ और विदेशों में दक्षिण अफ्रीका, नीदरलैंड और हांगकांग में सफलता हासिल की थी। उन्होंने 1989 में ईस्टर्न प्रोविंस को दक्षिण अफ्रीका का खिताब दिलाया और नीदरलैंड को कोचिंग दी, फिर स्वदेश लौटकर कैंटरबरी और ऑकलैंड को कोचिंग दी।

आईपीएल2025 के फाइनल में पहुचकर बोले आरसीबी के सुयश शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के क्वालीफायर 1 मुकाबले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने न्यू चंडीगढ़ में पंजाब किंग्स पर 8 विकेट से धमाकेदार जीत दर्ज करते हुए 2016 के बाद पहली बार फाइनल में जगह बनाई। जीत के मुख्य कारकों में एक लेग स्पिनर सुयश शर्मा का शानदार प्रदर्शन था। उन्होंने 17 रन देकर 3

विकेट लिए जिसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। मैच के बाद सुयश ने अपनी सफलता का श्रेय अपने कोचों के एक मंत्र को दिया जिसमें उन्होंने बताया कि उन्हें लगातार कोचों का समर्थन मिला और उन्हें स्टंप्स पर हिट करने पर ध्यान केंद्रित करने के लिए कहा गया। सुयश ने मैच के बाद कहा, कोच ने मुझे सिर्फ एक बात बताई है- मुझे स्टंप्स पर हिट करना है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैं गुगली, लेगब्रेक या फ्लिपर फेंकता हूं। इसलिए मैं स्टंप्स पर ज़्यादा से ज़्यादा गेंदें डालने की कोशिश करता हूं। पिच से कुछ मदद मिल रही थी। मुझे लगता है कि इसीलिए मेरी गुगली को समझना आसान नहीं था। जब पंजाब पहले से ही 5 विकेट पर 59 रन बनाकर संघर्ष कर रहा था, तब आक्रमण पर आते हुए सुयश ने मजबूत शुरुआत को जारी रखी। उनकी दूसरी गेंद एक अच्छी तरह से निष्पादित गुगली, शशांक सिंह को चकमा दे गई, जो लाइन के पार एक बड़ा स्विंग करने से चूक गए। इससे पहले उन्होंने स्टोइनिस को बोल्ड किया था। डेब्यू करने वाले मुशीर खान को पंजाब किंग्स के इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में क्रीज पर भेजा गया। लेकिन युवा खिलाड़ी का पहला आईपीएल मैच निराशाजनक रहा और सुयश ने उन्हें एक और गुगली पर सिर्फ तीन गेंदों में उन्हें एलबीडब्ल्यूआउट कर दिया।

आरसीबी इन आईपीएल फाइनलः

क्या आरसीबी फिर बनेगा आईपीएल फाइनल का चोकर?

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल इतिहास की सबसे चर्चित और इमोशनल टीमों में शुमार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू एक बार फिर खिताब के मुहाने पर खड़ी है. 2009, 2011 और 2016 में फाइनल तक का सफर तय करने के बावजूद यह टीम खिताब से चूक गई थी.

आईपीएल की शुरुआत के बाद से अब तक एक पीढ़ी बदल गई है, लेकिन आरसीबी टीम आज तक आईपीएल खिताब नहीं जीत पाई है. इस बार आईपीएल में जिस तरह से खेली है, उसने कई रिकॉर्ड भी बनाए हैं. मसलन वो 18 सालों के इतिहास में पहली ऐसी टीम बनी, जिसने अपने सभी होम अवे (दूसरी वेन्यू) गेम जीते. यानी ई साला कप नामदे जिसका मतलब है कि इस साल कप हमारा है वाली बात सच साबित हो सकती है. ई साला कप नामदे कन्नड़ भाषा का स्लोगन है, जो रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के फैन्स बीच बेहद पॉपुलर है. पंजाब को 29 मई को हुए क्वालिफायर 1 में पटखनी देने के बाद आरसीबी ने आईपीएल 2025 फाइनल का टिकट सिक्योर कर लिया है. ऐसे में आरसीबी की उम्मीदें एक बार फिर आसमान पर हैं, इस बार यह टीम नए कप्तान रजत पाटीदार के नेतृत्व में इतिहास रचने की दहलीज पर है. पर, आरसीबी की टीम के साथ इतिहास के पन्नों में तमाम किंतु जुड़े हुए हैं. ये पुराने पन्ने आरसीबी को आईपीएल फाइनल में मिली हार की याद दिला रहे हैं. क्या इस बार कप्तान पाटीदार की अगुवाई में आरसीबी फाइनल के चोकर के टैग को मिटा पाएगी? या फिर ये फाइनल भी बीते फाइनल्स की तरह होगा, यह देखने वाली बात होगी. क्योंकि आईपीएल फाइनल में जाकर यह टीम चोकर बन जाती है. टीम के डरावने रिकॉर्ड इस बात की बानगी हैं. यानी एक बात साफ है कि आरसीबी कई बार आईपीएल चैम्पियनबनने की कगार पर पहुंची है, लेकिन फाइनल फ्रंटियर उनसे क्रॉस नहीं हुआ है.

ऐसे में यह सवाल होगा कि क्या इस बार यह टीम चोकर (चोकर का मतलब क्रिकेट के लिहास से उस टीम के लिए होता है जो अहम मौकों पर, खासकर बड़े मुकाबलों में या फाइनल में जीत के बेहद करीब पहुंचकर भी हार जाता है) का टैग हटा पाएगी या नहीं...

एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिपः

अविनाश ने रचा इतिहास 36 साल बाद 3000 मीटर स्टीपलचेज में गोल्ड दिलाया, मेडल टैली में भारत दूसरे नंबर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय एथलीट अविनाश साबले ने गुरुवार को एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में मेंस 3000 मीटर स्टीपलचेज इवेंट में गोल्ड जीतकर इतिहास रच दिया है। उन्होंने 8:20.92 सेकंड का समय निकालकर 36 सालों बाद भारत को इस इवेंट में गोल्ड मेडल

दिलाया। एशियन एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 साउथ कोरिया के गुमी में जारी है। भारत ने पिछली बार 1989 में इस इवेंट मे गोल्ड जीता था, तब दीना राम ने ये कारनामा किया था। वहीं 1975 में हरबेल सिंह स्टीपलचेज में गोल्ड जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। साउथ कोरिया के गुमी में जारी इस चैंपियनशिप में जीत के बाद साबले ने कहा, मुझे गोल्ड मेडल जीतने का पूरा भरोसा था, क्योंकि मैं इस क्षेत्र में बेस्ट था। ज्योति ने भी गोल्ड जीता ज्योति याराजी ने 100 मीटर के हर्डल रेस को महज 12.96 सेकंड में पूरा करके गोल्ड मेडल जीता। ज्योति का पिछला रिकॉर्ड 12.99 सेकंड का था। भारत ने अब तक 14 मेडल जीते भारत 26वें एशियाई एथलेटिक्स चैंपियनशिप में अब तक अलग-अलग कॉम्पटीशन में 14 मेडल जीत चुका है। पॉइंट्स टेबल में देश दूसरे पायदान पर हैं। भारत ने 5 गोल्ड, 6 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज जीते हैं। इससे पहले 2023 सीजन में भी भारत ने 4×400 मीटर मिक्स्ड रिले में गोल्ड मेडल जीता था।

आरसीबी से हार के बाद खिलाड़ियों को खुद पर संदेह करने से बचना चाहिए :गेंदबाजी कोच

मुल्लांपुर, एजेंसी। इंडियन प्रीमियर लीग के क्वालीफायर एक में खराब प्रदर्शन के बावजूद 11 साल में पहली बार फाइनल में पहुंचने की उम्मीद लगाए पंजाब किंग्स के गेंदबाजी कोच जेम्स होप्स चाहते हैं कि उनके खिलाड़ी खिताबी मुकाबले में पहुंचने के अपने अगले प्रयास से पहले 'खुद पर संदेह करने से बचें।

पंजाब किंग्स ने अपने आक्रामक खेल के साथ लीग चरण में शीर्ष स्थान हासिल किया लेकिन बृहस्पतिवार को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ उसे आठ विकेट से हार का सामना करना पड़ा। टीम के पास रविवार को दूसरा क्वालीफायर जीतकर फाइनल में जगह पक्की करने का एक और मौका

मिलेगा। होप्स ने इस करारी शिकस्त के बाद कहा, 'हमारे बल्लेबाजों के लिए सबसे बुरी यह हो सकती है कि वे खुद पर संदेह करने लगे। उन्होंने कहा, 'हमने शुरुआती ओवर में अच्छी बल्लेबाजी की लेकिन उसके बाद लगातार विकेट गंवाते रहे। यह जरूरी है कि हम इस प्रदर्शन को पीछे छोड़कर आगे बढ़े। हमें कल (शुक्रवार) यात्रा करनी है और रविवार को एक और मैच खेलना है और अब हम इसे कठिन तरीके से करने जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि हम मंगलवार रात (फाइनल) को फिर से आरसीबी से भिड़ेंगे। तेज गेंदबाजों की मददगार पिच पर पंजाब किंग्स के बल्लेबाजों ने जरूरत से ज्यादा आक्रामक रवैया अपनाया जिससे टीम 101 रन पर आउट हो गयी। चोट से वापसी कर रहे जोश हेजलवुड और लेग स्पिनर सुयश शर्मा ने तीन-तीन विकेट लेकर पंजाब किंग्स के बल्लेबाजों को बैकफुट पर धकेल दिया। होप्स ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो हमने बल्ले से बहुत अच्छा प्रदर्शन नही किया, लेकिन अब हमारे पास फाइनल में पहुंचने का एक और मौका है। हमने दूसरा मौका पाने का अधिकार हासिल करने के लिए दो महीने से कुछ अधिक समय तक काम किया है और उम्मीद है कि हम इस मौके का फायदा उठाएंगे। उन्होंने कहा कि टीम को अहमदाबाद की पिच रास आएगी।

होप्स ने कहा, 'ऐतिहासिक रूप से यह (अहमदाबाद) बल्लेबाजी के लिए एक बहुत अच्छी पिच है और हम जानते हैं कि हमें काफी मेहनत करनी होगी और काफी तेजी से रन बनाने होंगे।

नॉर्वे शतरंजः

गुकेश ने कारुआना को हराया, चौथे राउंड के बाद मैग्नस कार्लसन सबसे आगे

स्टावेंजर, एजेंसी। विश्व के नंबर 1 मैग्नस कार्लसन ने भारतीय नंबर 2 अर्जुन एरिगैसी के खिलाफ अंतिम गेम में शानदार जीत के साथ अपनी क्लास दिखाई। पिछले दो राउंड में दो आर्मगेडन गेम हारने वाले नॉर्वेजियन सुपरस्टार ने घरेलू मैदान पर इस जीत के साथ एकल बढ़त बना ली।

विश्व चैंपियन डोमाराजू गुकेश और विश्व नंबर 3 फैबियानो कारुआना के बीच बाजी में, अमेरिकी लगभग पूरे गेम में आगे चल रहे थे, उनके पास जीतने के काफी मौके थे। हालांकि, गुकेश के शानदार रक्षात्मक कौशल के कारण वे अपने लाभ को भुना नहीं सके। इसके बाद गुकेश ने आर्मगेडन गेम को आसानी से जीत लिया। इससे पहले, विश्व चैंपियन गुकेश ने तीसरे राउंड में विश्व नंबर 2 हिकारू नाकामुरा को हराया, और शानदार प्रदर्शन के साथ अपने खिताब की दावेदारी को मजबूत किया। पहले दो राउंड में दो हार के बाद भारतीय प्रतिभा के लिए यह जीत इससे बेहतर पल नहीं हो सकती थी। नॉर्वे शतरंज के पहले दिन गुकेश को दुनिया के नंबर 1 मैग्नस कार्लसन के हाथों हार का सामना करना पड़ा। फिर वह तनाव भरे अखिल भारतीय मुकाबले में अर्जुन एरिगैसी से हार गए, लेकिन विश्व चैंपियन ने तीसरे राउंड में नाकामुरा पर जीत और कारुआना के खिलाफ चौथे राउंड में जीत के साथ वापसी की।

चीनी स्टार वेई यी के खिलाफ विश्व नंबर 2 हिकारू नाकामुरा के बीच मुकाबला उनके क्लासिकल हिस्से में एक कड़ा, रोमांचक ड्रॉ रहा। वेई यी ने आखिरकार आर्मगेडन टाईब्रेक में जीत हासिल की, जिससे सभी महत्वपूर्ण अतिरिक्त अंक हासिल हुए। नॉर्वे शतरंज महिला टूर्नामेंट में एक और एक्शन से भरपूर दिन देखने को मिला, जिसमें नवागंतुक सरसादत खादेमालशारिह ने टिंगजी लेई के खिलाफ निर्णायक जीत दर्ज की। यह नॉर्वे शतरंज में उनकी पहली जीत थी, जो एक रोमांचक आक्रामक प्रदर्शन के माध्यम से हासिल की गई। शेष दो गेम, अन्ना मुजीचुक बनाम वैशाली रमेशबाबू, और विश्व चैंपियन वेनजुन जू बनाम हम्पी कोनेरू, आर्मगेडन में तय किए गए, जो महिलाओं के क्षेत्र की जबरदस्त प्रतिस्पर्धी प्रकृति को उजागर करता है, जहां हर अंक मायने रखता है।वैशाली रमेशबाबू और वेनजुन जू ने अपने आर्मगेडन मैचों में जीत हासिल की, जिससे महत्वपूर्ण अतिरिक्त अंक अर्जित किए। नॉर्वे शतरंज दुनिया के प्रमुख शतरंज टूर्नामेंटों में से एक है, जो एक विशिष्ट 6-खिलाड़ी डबल राउंड-रॉबिन प्रारूप में शीर्ष पुरुष और महिला खिलाड़ियों को एक साथ लाता है।

3 मैच खेलने वाले खिलाड़ी ने ऐसे दिया पछाड़

हार गए वैभव सूर्यवंशी!

नई दिल्ली, एजेंसी। आईपीएल 2025 के दौरान वैभव सूर्यवंशी का नाम छाया रहा है. छाए भी कैसे नहीं, इतनी विस्फोटक बैटिंग जो की है. सिर्फ 14 साल की उम्र में वो किया है, जो बड़े -बड़े खिलाड़ी नहीं कर सके हैं. राजस्थान रॉयल्स भले ही आईपीएल 2025 के ग्रुप स्टेज से बाहर हो गई मगर वैभव सूर्यवंशी के लिए ये सीजन विन-विन वाला रहा है.

बहरहाल, हम यहां बात कर रहे उन्हें मिली हार. वैभव सूर्यवंशी को सिर्फ 3 मैच खेलने वाले खिलाड़ी ने हरा दिया है. अब आप सोच रहे होंगे कि वैभव को हार मिली तो किस चीज में? और किसने उन्हें हराया? आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स का सफर थमने के बाद वैभव सूर्यवंशी का सेलेक्शन अंडर 19 टीम में हुआ है. भारत की अंडर 19 टीम इंग्लैंड दौरा 24 जून से शुरू होने वाला है. जिसका हिस्सा वैभव सूर्यवंशी भी हैं. इंग्लैंड जाने से पहले इंडिया

अंडर 19 टीम का कैंप बेंगलुरु में लगा है.

3 मैच खेलने वाले खिलाड़ी से हारे वैभव सूर्यवंशी!

अब आते हैं वैभव सूर्यवंशी को मिली हार पर. जिस मामले में 3 मैच खेलने वाले खिलाड़ी से हार का सामना करना है, उसका ताल्लुक आईपीएल 2025 के प्रदर्शन से ही जुड़ा है. दरअसल, एक वक्त वैभव सूर्यवंशी का स्ट्राइक रेट आईपीएल 2025 में सबसे ज्यादा था.

लेकिन, ग्रुप स्टेज के मुकाबले खत्म होने के बाद हाईएस्ट स्ट्राइक रेट की फाइनल लिस्टिंग में वैभव सूर्यवंशी पिछड़ गए. उन्हे 3 मैच खेलने वाले खिलाड़ी उरविल पटेल ने पछाड़ दिया.

वैभव का स्ट्राइक रेट- 206.55, उरविल का 212.50 का

राजस्थान रॉयल्स से खेलने वाले वैभव सूर्यवंशी का स्ट्राइक रेट अ 2025 में खेले 7 मैचों में 206.55 का रहा, वहीं सिर्फ 3 मैच खेलने वाले सीएसके के उरविल पटेल ने 212.50 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए. इस तरह उरविल पटेल आईपीएल 2025 मे सर्वाधिक स्ट्राइक रेट वाले बल्लेबाज भी रहे. वहीं वैभव को नंबर 2 पर रहना पड़ा.

इंडिया-इंग्लैंडः

समय से पहले इंग्लैंड पहुंचेगा भारत का सबसे अनुभवी बल्लेबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेस्ट टीम में सबसे सीनियर बल्लेबाज केएल राहुल 6 जून से नॉर्थम्पटन में इंग्लैंड लायंस के खिलाफ इंडिया ए के लिए दूसरा अभ्यास मैच खेलेंगे। राहुल सोमवार को इंग्लैंड रवाना होंगे। 18 सदस्यीय टेस्ट टीम के सदस्य राहुल ने चयनकर्ताओं को सूचित किया कि वह अभ्यास मैच के लिए उपलब्ध रहेंगे क्योंकि उनकी आईपीएल टीम दिल्ली कैपिटल्स क्वालिफायर के लिए क्वालिफाई करने में विफल रही थी। बीसीसीआई के एक सूत्र ने बताया, वह सोमवार को फ्लाइट लेंगे और इंडिया ए टीम के साथ दूसरा अभ्यास मैच खेलेंगे। चूंकि वह सीनियर टीम का हिस्सा हैं, जो सीरीज में पांच टेस्ट मैच खेलेगी, इसलिए इन मैचों से उन्हें गेम टाइम और मैच प्रैक्टिस मिलेगा।

इंग्लैंड ने वेस्टइंडीज को 238 रन से रौंदा

बर्मिंघम, एजेंसी। इंग्लैंड के सीमित ओवरों के नए कप्तान के रूप में हैरी ब्रूक का कार्यकाल एजबेस्टन में वेस्टइंडीज के खिलाफ एकदिवसीय मैच में 238 रनों की बड़ी जीत के साथ शुरू हुआ। इंग्लैंड के शुरुआती 7 बल्लेबाजों ने 35 या उससे अधिक रन बनाए। एकदिवसीय मैचों में पहली बार हुआ था जब शुरुआती सात बल्लेबाजों ने 35 या उससे अधिक रन बनाए। ब्रूक उन चार खिलाड़ियों में शामिल थे जिन्होंने अर्धशतक जड़ा। इंग्लैंड ने आठ विकेट पर 400 रन बनाने के बाद वेस्टइंडीज को 27वें ओवर में 162 रन पर आउट कर दिया।

मध्यम गति के गेंदबाज साकिब महमूद (32 रन पर तीन विकेट) ने शीर्ष क्रम को ध्वस्त कर दिया जबकि तेज गेंदबाज जेमी ओवरटन (22 रन पर तीन विकेट) ने पुछल्ले बल्लेबाजों को चलता किया। इंग्लैंड के पास रविवार को कार्डिफ में जीत के साथ सितंबर 2023 के बाद से पहली बार एकदिवसीय द्विपक्षीय श्रृंखला को अपने नाम करने का मौका होगा। इस श्रृंखला का तीसरा और

आखिरी मैच मंगलवार को ओवल में होगा।

वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने तेज गेंदबाजों के लिए माकूल परिस्थितियों का फायदा उठाने के लिए इंग्लैंड को पहले बल्लेबाजी का न्योता दिया लेकिन उनके गेंदबाजों के खराब प्रदर्शन से घरेलू टीम ने शुरुआत में ही दबदबा बना लिया। पहली बार एक साथ पारी का आगाज कर रहे बेन डकेट (60) और जैमी स्मिथ (37) सात ओवर में 64 रन की साझेदारी कर इंग्लैंड को तेज शुरुआत दिलाई। जो रूट ने 57 जबकि ब्रूक ने 58 रन का योगदान दिया। टीम की रनगति ने हालांकि उस समय उड़ान भरी जब बारबडोस में जन्में जैकब बेथल ने 53 गेंद में आठ चौके और पांच छक्के की मदद से 82 रन की पारी खेली।

इंडियन प्रीमियर लीग से यहां लौटे बेथल ने विल जैक्स (24 गेंद में 39 रन) के साथ छठे विकेट के लिए 44 गेंद में 98 रन की विस्फोटक साझेदारी की। लक्ष्य का पीछा करते हुए वेस्टइंडीज ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाये। टीम 12वें ओवर में 66 रन पर चार विकेट गवांकर मैच से लगभग बाहर हो चुकी थी। सबसे निचले 11वें क्रम पर बल्लेबाजी के लिए सिल्स नाबाद 29 रन के साथ टीम के सर्वोच्च स्कोरर रहे। होप ने 25 और केसी कार्टी ने 22 रन का योगदान दिया।

हैरी ब्रूक ने 4000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किए

बर्मिंघम, एजेंसी। हैरी ब्रूक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं और अपने उभरते करियर में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। 26 वर्षीय ब्रूक ने बर्मिंघम में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे के दौरान 4,000 अंतरराष्ट्रीय रन पूरे किए और सभी प्रारूपों में इंग्लैंड के लिए 49वें सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। ब्रूक ने मैच में 45 गेंदों पर पांच चौकों और तीन छक्कों की मदद से 58 रनों की पारी खेली जिससे इंग्लैंड को व्हाइट-बॉल कप्तान के रूप में अपने पहले मैच में शानदार जीत हासिल करने में मदद मिली। उनके प्रदर्शन ने उनकी नेतृत्व क्षमता और एक भरोसेमंद मध्य-क्रम बल्लेबाज के रूप में उनके महत्व को रेखांकित किया।

अत्याचार पीड़ितों को तत्परता से सहायता राशि दें : कलेक्टर

सहायता राशि के 34 प्रकरणों को मिली मंजूरी

रीवा

कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत दर्ज प्रकरणों में एफआईआर दर्ज होने के बाद थाना प्रभारी तत्काल प्रकरण जनजातीय कार्य विभाग को उपलब्ध कराएं। जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग सहायता राशि के प्रकरण तत्परता से निराकृत कर पीड़ितों को समय पर राहत राशि प्रदान करें। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही सहन नहीं की जाएगी। पीड़ितों के राहत राशि के प्रकरणों में मानवीयता और संवेदनशीलता से कार्यवाही करें।

कलेक्टर ने कहा कि अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत सलाहकार समिति की प्रत्येक त्रैमास में बैठक अनिवार्य रूप से आयोजित कराएं। राहत राशि के प्रकरण हर सप्ताह प्रस्तुत करें। पीड़ितों को शिक्षा, स्वरोजगार, विवाह सहायता तथा अधिनियम के प्रावधानों के तहत मिलने वाली हर संभव सहायता देने का प्रयास करें। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक लाल ने बताया कि सहायता राशि के एक भी प्रकरण पुलिस थानों में लंबित नहीं हैं। अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज होते ही उसे जनजातीय कार्य विभाग को प्रस्तुत किया जाता है। बैठक में अनुसूचित जनजाति के 22 तथा अनुसूचित जाति के 12 पीड़ितों के राहत प्रकरणों को मंजूरी दी गई। बैठक में संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय, जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग कमलेश्वर सिंह उपस्थित रहे।

आधार पंजीयन के लिए तैनात होंगे कम्प्यूटर आपरेटर

रीवा। महिला एवं बाल विकास विभाग को भारत सरकार के सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आधार पंजीयन के लिए अधिकृत किया गया है। विभाग के सभी परियोजना कार्यालयों में स्थाई आधार पंजीयन की सुविधा दी जा रही है। इस संबंध में जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग श्रीमती प्रतिभा पाण्डेय ने बताया कि आधार पंजीयन के लिए परियोजना कार्यालयों को आधार मशीनें, टैबलेट, मोबाइल किट आदि उपलब्ध करा दिए गए हैं। आधार पंजीयन के लिए सभी परियोजना कार्यालय में कम्प्यूटर आपरेटर तैनात किए जा रहे हैं। इसके लिए पात्र व्यक्ति 3 जून तक जिला कार्यक्रम अधिकारी कार्यालय महिला एवं बाल विकास विभाग कलेक्ट्रेट रीवा में आवेदन कर सकते हैं।

विश्व तम्बाकू निषेध दिवस आज

रीवा। विश्व तम्बाकू निषेध दिवस आगामी 31 मई को मनाया जायेगा। मद्यपान तथा मादक पदार्थों, नशीली दवाईयों एवं शराब तथा विभिन्न प्रकार के नशे से होने वाले दुष्परिणामों से समाज, युवाओं को अवगत कराने हेतु नशामुक्ति के लिये जनजागृति कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के युवाओं एवं बच्चों को तम्बाकू से बने उत्पादों के सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों जैसे कैंसर, टीव्ही, ह्रदय रोग आदि से बचाव करने के लिये जन जागरूकता लाना है। विभिन्न विभागों लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा, स्कूल शिक्षा, पुलिस, उच्च शिक्षा, तकनीकी शिक्षा, आयुष, महिला एवं बाल विकास, जनजातीय कार्य विभाग, अनुसूचित जाति कल्याण विभाग की सहभागिता एवं जन अभियान परिषद, प्रजापिता ब्राम्हकुमारी, गायत्री परिवार, स्वैच्छिक संस्थाओं तथा धार्मिक संगठन के सहयोग से कार्यक्रम का आयोजन किया जायेगा।

संयुक्त संचालक सामाजिक न्याय अनिल दुबे ने बताया कि 31 मई को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस के अवसर पर विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जायेगी। स्वास्थ्य विभाग अन्तर्गत संचालित तम्बाकू नियंत्रण केन्द्र द्वारा तम्बाकू उत्पादों के सेवन से होने वाली गंभीर बीमारियों पर आधारित पोस्टर प्रदर्शनी लगाई जायेगी। ग्रीष्मकालीन अवकाश में स्कूल के विद्यार्थियों के लिये आयोजित होने वाले विशेष समर कैम्पों में चित्रकला, निबंध, लेखन, भाषण, रंगोली प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा। मैराथन, प्रभातफेरी, नुक्कड़ नाटक, गीत संगीत के कार्यक्रम के साथ ही तम्बाकू सेवन के दुष्परिणामों पर आधारित बाल पेंटिंग, विद्यालय, महाविद्यालयों के 100 मीटर के दायरे में पान/गुटका की दुकानों पर विक्रय को प्रतिबंधित करना, शासकीय सार्वजनिक स्थर्ता के आसपास बैनर द्वारा नशामुक्ति के संदेश का प्रचार प्रसार करने के साथ ही राष्ट्रीय नशामुक्ति हेल्पलाइन नंबर 14446 का व्यापक प्रचार प्रसार भी कराया जायेगा।

जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास समिति की बैठक 3 जून को

रीवा। कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन की अध्यक्षता में जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास समिति की बैठक आगामी 3 जून को कलेक्ट्रेट सभागार मऊगंज में शाम 4 बजे से आयोजित की गई है। संबंधित अधिकारियों को जनपद पंचायत अन्तर्गत जिला खनिज प्रतिष्ठान न्यास मद से ग्राम पंचायतों में स्वीकृत व पूर्ण कार्यों की अद्यतन जानकारी के साथ उपस्थिति के निर्देश दिये गये हैं।

शिक्षकों के लंबित स्वत्वों के भुगतान की कार्यवाही एक सप्ताह में पूर्ण करें : कलेक्टर

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने शिक्षकों के सभी लंबित स्वत्वों के भुगतान की कार्यवाही एक सप्ताह में पूर्ण करने के निर्देश दिये हैं। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने क्रमोन्नति, डीए एरियर्स तथा वेतनमान के लंबित भुगतान एक सप्ताह में करने के निर्देश विभागीय अधिकारियों को दिये।

कलेक्टर ने वित्त विभाग के अधिकारियों के साथ शिक्षा विभाग के अधिकारियों को समन्वय बनाकर स्वत्वों के भुगतान सुनिश्चित कराने तथा पेंशन प्रकरण निराकृत करने के निर्देश दिये। कलेक्टर ने कहा कि सेवानिवृत्त शिक्षकों व कर्मचारियों के पेंशन प्रकरण निराकृत करते हुए पीपीओ प्रदान करें।

बैठक में कलेक्टर ने गंगेव के बीईओ तथा लेखा अधिकारी को अत्यधिक संख्या में काफी दिनों से लंबित प्रकरणों के कारण नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। इस अवसर पर संयुक्त संचालक कोष एवं लेखा एमएस पैकरा, जिला कोषालय अधिकारी पुष्पेन्द्र शुक्ला, जिला शिक्षा अधिकारी सुदामालाल गुप्ता, सहायक संचालक राजेश मिश्रा सहित समस्त बीईओ उपस्थित रहे।

अभिलेख न देने पर होगी एफआईआर दर्ज

रीवा। जिला संयोजक जनजातीय कार्य विभाग कमलेश्वर सिंह ने विभाग के दो निलंबित कर्मचारियों विकास कुमार तिवारी सहायक ग्रेड तीन और शिव प्रसाद पटेल सहायक वर्ग तीन को शासकीय अभिलेख तीन दिवस में उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। जिला संयोजक ने कहा है कि निलंबित कर्मचारियों द्वारा कारण बताओ सूचना पत्र का तय समय सीमा में उत्तर नहीं दिया गया है तथा महत्वपूर्ण विभागीय अभिलेख उपलब्ध नहीं कराए गए हैं। दोनों निलंबित कर्मचारी कार्यालय में उपस्थित होकर अपना प्रभार निर्दिष्ट कर्मचारियों को सौंपते हुए समस्त रिकार्ड उपलब्ध कराएं। अभिलेख न देने पर आपराधिक प्रकरण दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी।

विकसित कृषि संकल्प अभियान में मिट्टी परीक्षण एवं नई कृषि तकनीकी पर वैज्ञानिकों का जोर

रीवा। विकसित कृषि संकल्प अभियान का आरंभ 29 मई से हो चुका है। अभियान 12 जून तक संचालित होगा। इसका उद्देश्य किसानों को कृषि की वैज्ञानिक तकनीकों, नवाचारों और सरकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान करके उनकी उत्पादकता और आय को बढ़ाना है। अभियान के तहत कृषि वैज्ञानिक दल गांवों में जाकर किसानों को नई कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण देंगे। विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत रीवा एवं मऊगंज जिले में कृषि वैज्ञानिकों के दलों द्वारा अभियान का संचालन किया गया। रायपुर कर्चुलियान विकासखण्ड के बड़ागांव, बघमाड़ा व करौंदी, विकासखण्ड जवा के छदहना, बढ़छ व खारा, विकासखंड गंगेव के कैंदला, दुड़की व डिहिया में तथा मऊगंज जिले के विकासखंड हनुमना के टटिहारा, धौंसड व तंदुआवेलन में कृषि वैज्ञानिक दलों द्वारा अभियान का संचालन किया गया।

कृषि वैज्ञानिक दल किसानों के बीच पहुंचे और उन्हें सलाह दी कि वे अपने खेतों की मिट्टी का परीक्षण अवश्य करवाएं, क्योंकि यह फसल उत्पादन बढ़ाने और मिट्टी के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मिट्टी परीक्षण से मिट्टी में मौजूद पोषक तत्वों जैसे नाइट्रोजन, फॉस्फोरस, पोटैशियम और अन्य सूक्ष्म पोषक तत्वों की मात्रा का पता चलता है, जिससे किसान उर्वरकों का संतुलित उपयोग कर सकते हैं। इससे न केवल फसल की गुणवत्ता और उत्पादन में वृद्धि होती है, बल्कि अनावश्यक उर्वरक उपयोग से होने वाली लागत में कमी और पर्यावरण संरक्षण में भी मदद मिलती है। कृषि वैज्ञानिकों ने सुझाव दिया कि किसान अपने खेतों से मिट्टी के नमूने सही तरीके से एकत्र करें। इसके लिए खेत के 8-10 विभिन्न स्थानों से 15 सेंटीमीटर गहराई तक मिट्टी लेकर, उसे मिलाकर लगभग 500 ग्राम का नमूना तैयार करें। नमूना लेते समय खाद के ढेर, पेड़ों की छाया या जलभराव वाले क्षेत्रों से बचना चाहिए।

अज्ञात वाहन से दुर्घटना के पीड़ितों के प्रकरण तत्काल प्रस्तुत करें

रीवा। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने अज्ञात वाहन से दुर्घटना के पीड़ितों को तत्काल सहायता राशि उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने कहा है कि अज्ञात वाहन से दुर्घटना होने पर मोटरयान अधिनियम के संशोधित प्रावधानों के अनुसार मृत व्यक्ति के परिजनों को दो लाख रुपए की सहायता राशि दी जाती है। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति को 50 हजार रुपए तक की सहायता का प्रावधान है। उप पुलिस अधीक्षक यातायात सभी थाना प्रभारियों से अज्ञात वाहन के दुर्घटना के सभी प्रकरण की जानकारी अनुविभागीय समिति में दर्ज कराएं। सभी एसडीएम अधिनियम के प्रावधानों के तहत समस्त अभिलेखों के साथ सहायता राशि के लिए प्रकरण कलेक्ट्रेट कार्यालय को प्रस्तुत करें। राहत शाखा के प्रभारी अधिकारी सात दिवस में सभी प्रकरण पूरे विवरण के साथ ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज करा दें। प्रकरण के साथ एफआईआर की कॉपी, पीड़ित के आश्रितों के बैंक खाता संख्या, मृत व्यक्ति के पोस्टमार्टम की रिपोर्ट सहित प्रकरण मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण में दर्ज करें।

कलेक्टर ने कहा कि राहवीर योजना के तहत सड़क दुर्घटना के एक घंटे के गोल्डन पीरियड में पीड़ित को अस्पताल पहुंचाने पर 25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती है। इस योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करें जिससे दुर्घटना पीडितों को तत्काल सहायता उपलब्ध कराने के लिए लोग आगे आएं। भारत सरकार की सड़क दुर्घटना पीड़ितों को कैशलेस उपचार योजना 2025 के तहत दुर्घटना पीड़ित को योजना में शामिल अस्पतालों में दुर्घटना से 7 दिन की अवधि तक एक लाख 25 हजार रुपए की सहायता निःशुल्क दी जाती है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य दुर्घटना में गंभीर रुपए से घायल व्यक्ति को तत्काल उपचार सहायता उपलब्ध कराना है। स्वास्थ्य विभाग के प्रावधानों के अनुरूप योजना का लाभ पीड़ितों को दिया जाएगा। इस योजना का भी व्यापक प्रचार-प्रसार कराएं। बैठक में संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय ने योजना के प्रावधानों की जानकारी दी। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक विवेक लाल तथा अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

स्टापडैम का निरीक्षण करने के मऊगंज कलेक्टर के निर्देश

रीवा। आगामी वर्षा ऋतु में संभावित जल भराव से डैम ओवरफ्लो अथवा बाढ़ जैसी आपात परिस्थितियों से बचाव हेतु जिले अन्तर्गत स्थित समस्त स्टाप डैमों का सतत निरीक्षण कर उन्हें समयबद्ध रूप से वर्षा प्रारंभ होने के पूर्व खोले जाने की कार्यवाही सुनिश्चित किये जाने के निर्देश कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन द्वारा दिये गये हैं। उन्होंने कहा है कि प्रत्येक स्टाप डैम की तकनीकी स्थिति का परीक्षण कर आवश्यक मरम्मत एवं रखरखाव का कार्य शीघ्र पूर्ण करें।

छूटे हुए क्षेत्रों में खिलाई जा रही है फाइलेरिया रोधी दवा

रीवा। जिला मलेरिया अधिकारी श्रीमती स्मृता नामदेव ने बताया है कि रीवा और मऊगंज जिले के फाइलेरिया से अति प्रभावित क्षेत्रों में फाइलेरिया रोधी दवा दी जा चुकी है। जिन क्षेत्रों में दवा का वितरण नहीं हो पाया था वहाँ 30 मई से दवा खिलाने का अभियान शुरू किया गया है। फाइलेरिया को समूल नष्ट करने के लिए दोनों जिलों में प्रभावित इलाकों का चिन्हांकन करके दवाई दी जा रही है। फाइलेरिया के संभावित क्षेत्रों में संभावित रोगियों के खून के नमूने लेकर जांच कराए जाने पर पॉजिटिव मरीज पाए गए जिसके कारण दवा खिलाने का अभियान शुरू किया गया है। अभियान के दौरान रीवा जिले के जवा विकासखण्ड के ग्राम हरदोली, ग्राम मझगवां, गंगेव विकासखण्ड के रघुनाथगंज में दवा खिलाई जा रही है। मऊगंज जिले में नगर पंचायत नईगढ़ी के वार्ड क्रमांक 12 तथा हनुमना विकासखण्ड के चुने हुए गांवों में दवा दी जा रही है। उन्होंने अभियान में शामिल क्षेत्रों के निवासियों से फाइलेरिया की निःशुल्क दवा का सेवन करने का अनुरोध किया है।

आपदा प्रबंधन की तैयारी बैठक 2 जून को

रीवा। कलेक्ट्रेट सभागार में 2 जून को आपदा प्रबंधन की तैयारी बैठक आयोजित की गई है। बैठक में कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल बाढ़ नियंत्रण एवं आपदा प्रबंधन की तैयारियों की विभागवार समीक्षा करेंगी।

जल जीवन मिशन के कार्यों का संयुक्त सचिव ने किया स्थल निरीक्षण

रीवा। भारत सरकार की संयुक्त सचिव फरीदा एम नायक ने जल जीवन मिशन के कार्यों का स्थल निरीक्षण किया। उन्होंने इंटेकवेल तथा डब्ल्यूटीपी का भ्रमण कर प्रगतिरत कार्यों की जानकारी ली। जल जीवन मिशन अन्तर्गत रीवा बाणसागर एवं टमस समूह जल प्रदाय योजना के कार्यों के निरीक्षण के दौरान संयुक्त सचिव ने आवश्यक निर्देश देते हुए कार्य को गति देने की बात कही।

वर्षा से पूर्व सड़कों का सुधार कार्य पूरा करायें : कलेक्टर

रीवा। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वर्षा से पूर्व सभी सड़कों का सुधार कार्य करायें तथा जहां पैच वर्क कराया जाना है वहाँ तत्काल कार्य प्रारंभ करायें। कलेक्ट्रेट के बाणसागर सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने परफारमेंस ग्रांट के तहत कार्यों की स्थिति की जानकारी प्राप्त की तथा कार्य न प्रारंभ होने पर संविदाकार एवं संबंधित एसडीओ को नोटिस जारी करने के निर्देश दिये। उन्होंने मनगवां से चाकघाट मार्ग में निर्माण एजेंसी द्वारा व्यवस्थित ढंग से पैच कार्य न करने पर नोटिस देने के निर्देश एमपीआरडीसी के अधिकारी को दिये। कलेक्टर ने पीएम जीएस वाय की सड़कों सहित रीवा नगर निगम क्षेत्र में लोकनिर्माण विभाग के सड़कों के सुधार कार्य 20 जून तक पूर्ण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि सभी नालों, पुलियों की सफाई करायें ताकि वर्षाकाल में निर्बाध पानी की निकासी हो सके। जल भराव न हो। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वर्षाकाल से पहले डूबने वाले पुल-पुलियों की पहचान कर चेतावनी के बोर्ड लगवाएं तथा निर्माण कार्यों को इस स्तर तक पूर्ण करें ताकि वर्षा के कारण व्यवधान न आने पाए।

सीवरेज एवं जलप्रदाय परियोजनाओं का मुख्य अभियंता ने किया निरीक्षण

रीवा। मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी लिमिटेड के रीवा प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन यूनिट के अंतर्गत संचालित सीवरेज एवं जलप्रदाय परियोजनाओं का निरीक्षण मुख्य अभियंता शैलेंद्र शुक्ला द्वारा किया गया। निरीक्षण के दौरान श्री शुक्ला मैहर नगर के वार्ड क्रमांक 9 स्थित सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट का अवलोकन किया। उन्होंने कार्य की प्रगति पर असंतोष व्यक्त करते हुए इसे शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। जीआईएस मैपिंग कर जीटी कंस्ट्रक्शन का कार्य प्राथमिकता से आरंभ करने के भी निर्देश दिए गए। इससे पहले श्री शुक्ला ने कोठी, कोटर, जैतवारा और बिरसिंहपुर के लिए निर्माणाधीन परियोजना जल प्रदाय परियोजना का निरीक्षण किया। गोरैया में प्रस्तावित इंटेक वेल के निर्माण की धीमी गति पर नाराज़गी व्यक्त करते हुए उन्होंने स्पष्ट कहा कि परियोजना के प्रमुख अवयवों में हो रही देरी अस्वीकार्य है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि इंटेक वेल हेतु प्रस्तावित एप्रोच ब्रिज का कार्य अब तक प्रारंभ नहीं हुआ है, जो पूरी परियोजना को प्रभावित कर सकता है। निरीक्षण के अगले चरण में कोटर टाउन में निर्माणाधीन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट का जायज़ा लिया गया। यह परियोजना कोठी, कोटर, जैतवारा और बिरसिंहपुर नगर परिषदों को जल आपूर्ति के उद्देश्य से विकसित की जा रही है। निरीक्षण के उपरांत श्री शुक्ला ने संविदाकार को दो दिवस के भीतर आगामी कार्यों हेतु विस्तृत माइक्रो प्लान प्रस्तुत करने का निर्देश दिया। साथ ही संबंधित अधिकारियों को साप्ताहिक कार्य प्रगति की नियमित समीक्षा करने के आदेश दिए।

श्रमोदय आदर्श आईटीआई में प्रवेश के लिए पंजीयन की अंतिम तिथि आज

रीवा। श्रमोदय आदर्श आईटीआई भोपाल में संचालित 8 ट्रेडों में प्रवेश की प्रक्रिया प्रारंभ हो चुकी है। आवेदक डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डीएसडी डॉट एमपी डॉट जीओभी डॉट इन पर 31 मई तक पंजीयन कर सकते हैं। इस संबंध में श्रम पदाधिकारी प्रिया अग्रवाल ने बताया कि संचालित ट्रेड तकनीशियन मेकाट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रीशियन, सीएनसी मशीनिंग तकनीशियन, सिविल इंजीनियरिंग असिस्टेंट के लिये दो वर्षीय पाठ्यक्रम तथा फैशन डिजाइन एण्ड टेक्नोलॉजी, इंटीरियर डिजाइन एण्ड डेकोरेशन आयओटी स्मार्ट सिटी, वेल्डर एक वर्षीय पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु आवेदन किये जा सकते हैं।

नौढ़िया ग्राम जल स्वाबलंबी ग्राम के तौर पर चयनित

रीवा। जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जिले में स्वावलंबी ग्राम योजना आरंभ की गई है। इसका मुख्य उद्देश्य जल संकट से निपटने के लिये विभिन्न जल संरक्षण, जल संचयन और जल के पुनर्चक्रण उपायों को लागू करना है। इस अभियान में न केवल जल की उपलब्धता को बढाने की दिशा में कार्य किया जायेगा बल्कि जल के संतुलित उपयोग को सुनिश्चित कराया जावेगा ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिये जल का संरक्षण किया जा सके। कलेक्टर मऊगंज संजय कुमार जैन ने बताया कि जिले अंतर्गत ग्राम नौढ़िया जनपद पंचायत मऊगंज, को जल स्वाबलंबी ग्राम के रूप में चयनित किया गया है। इस ग्राम में पानी की आवश्यकता का आंकलन कर वाटर बजट तैयार किया जायेगा। तदुपरान्त जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत ग्राम में नवीन खेन तालाब, भू-जल संवर्धन हेतु कुआं, कुआं रिचार्ज, सतही जल संग्रहण हेतु कन्टूर, बंडिंग, कन्दर ट्राँच, गेबियन, गली प्लग, बोल्डर चेकडेम, स्टॉप डैम, रिचार्ज पिट, पाँड, परकोलेशन टैंक, तालाब, अमृत सरोवर इत्यादि और भू जल संवर्धन के कार्य, शासकीय नहर का प्लान तैयार कर युद्ध स्तर पर वाटर कंजरवेशन के अधिकाधिक कार्य कराये जायेंगे। जल संरक्षण के विभिन्न उपायों को शामिल किया जाये ताकि वर्षा जल संचयन, वाटरशेड प्रबंधन, जल पुनर्चकण और जल आपूर्ति की दक्षता को बढ़ाने के लिए सस्ते और पर्यावरणीय रूप से अनुकूल उपाय किया जा सके। पुराने जल स्त्रोतों के पुनर्निर्माण और नई जल आपूर्ति योजनाओं को प्रारंभ करने के साथ ही जल गंगा संवर्धन अभियान के अन्तर्गत जनभागीदारी से स्त्रोतों के आसपास एवं अन्य उपलब्ध स्थानों पर पौधरोपण के कार्य आवश्यक रूप से किये जायेंगे।

कलेक्टर ने बताया कि कार्ययोजना में ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों, गैर सरकारी संगठनों और संबंधित सरकारी एजेंसियों की सहभागिता सुनिश्चित की जायेगी। जल गंगा यात्रा में ग्रामों / ग्राम पंचायतों के क्लस्टर बनाकर अधिकारियों की टीम बनाकर प्रत्येक ग्राम में जनजागरूकता हेतु रैली निकालकर जन संवाद कराया जाना सुनिश्चित किया जायेगा तथा ग्रामवासियों के बीच जल संरक्षण के प्रति जागरूकता कार्यकम आयोजित किया जाये। उन्होंने बताया कि ग्राम पंचायतों और जल समितियों का गठन किया जाए ताकि वे जल प्रबंधन में भागीदार बन सकें। प्रत्येक किसान अपनी स्वेच्छा से अपने खेत में पौंड का निर्माण करें। नौढ़िया ग्राम को आगामी 03 वर्षों में जल स्वावलंबी ग्राम बनाने के उद्देश्य से मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत रीवा / मऊगंज को नोडल अधिकारी एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), अनुविभाग मऊगंज को सहायक नोडल नियुक्त किया गया है।

सत्यमेव जयते | मध्यप्रदेश शासन

स्वावलंबी महिला सशक्त राष्ट्र
लोकमाता देवी अहिल्याबाई महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन
भोपाल - 31 मई, 2025

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर

के 300वें जन्म जयंती वर्ष के अवसर पर

महिला सशक्तिकरण महासम्मेलन

एवं

'राष्ट्रीय देवी अहिल्या सम्मान' अलंकरण

लोकमाता देवी अहिल्याबाई होलकर को समर्पित डाक टिकट और सिक्का जारी

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

दतिया एवं सतना एयरपोर्ट का लोकार्पण एवं इंदौर मेट्रो का शुभारंभ

(गांधीनगर मेट्रो स्टेशन से सुपर कॉरिडोर 03 तक)

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

₹483 करोड़ लागत के 1271 नये अटल ग्राम सेवा सदन (पंचायत भवन) की प्रथम किस्त का अंतरण

— प्रधानमंत्री —

नरेन्द्र मोदी

के कर-कमलों द्वारा (वर्चुअल माध्यम से)

— गरिमामयी उपस्थिति —

मंगुभाई पटेल
राज्यपाल, मध्यप्रदेश

डॉ. मोहन यादव
मुख्यमंत्री, मध्यप्रदेश

31 मई, 2025 | पूर्वाह्न 11:00 बजे | जम्बूरी मैदान, भोपाल

नारी सशक्तिकरण में अग्रणी मध्यप्रदेश

- सामाजिक-आर्थिक सशक्तिकरण के उद्देश्य से देवी अहिल्या नारी सशक्तिकरण मिशन प्रारंभ
- शासकीय सेवा में महिलाओं के लिए आरक्षण को बढ़ाकर 35% तक किया
- 5 लाख स्व-सहायता समूहों से 62 लाख ग्रामीण बहनें हुईं आत्मनिर्भर
- प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना में 89 लाख बहनों को मिली धुएं से मुक्ति

बेहतर होतीं वायु सेवाएं

- ₹ 60 करोड़ की लागत से 124 एकड़ में दतिया एयरपोर्ट एवं ₹ 37 करोड़ की लागत से सतना एयरपोर्ट का निर्माण संपन्न
- हवाई सुविधा से धार्मिक पर्यटन के साथ औद्योगिक विस्तार को मिलेगा बढ़ावा
- यात्रियों को मां पीतांबरा पीठ, मां शारदा और चित्रकूट धाम तक की हवाई सुविधा होगी उपलब्ध
- प्रदेश एवं प्रदेश के बाहर के गंतव्यों तक कनेक्टिविटी होगी बेहतर

इंदौर को मेट्रो रेल की सौगात

- ₹ 1520 करोड़ लागत की यलो लाइन मेट्रो 6 कि.मी. लंबे रूट पर चलेगी
- आधुनिक, सुगम और पर्यावरण अनुकूल परिवहन सुविधा मिलेगी
- प्रति ट्रेन 900 से अधिक यात्री क्षमता के साथ लिफ्ट, एस्केलेटर, AI आधारित ट्रैकिंग एवं QR आधारित टिकटिंग प्रणाली से स्मार्ट होगा सफर

पंचायतों को स्थायी भवन

- प्रदेश भर में 1271 नये अटल ग्राम सेवा सदनों के निर्माण से ग्राम पंचायतों को स्थायी भवन की सुविधा के साथ प्रशासनिक कार्य करने, बैठकें आयोजित करने एवं रिकॉर्ड प्रबंधन में सहायता मिलेगी

D-11033/25

सीधा प्रसारण | DD News | Webcast.gov.in/mp/cmevents | @Cmmadhyapradesh @jansampark.madhyapradesh | @Cmmadhyapradesh @jansamparkMP | JansamparkMP | #AhilyaBaiHolkarAt300

आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2025

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक एवं मुद्रक राजेन्द्र तिवारी द्वारा एस आर के प्रिंटिंग प्रेस विवि रोड खुटेही रीवा से मुद्रित कर जीडीसी के सामने उत्तरी करौंदिया सीधी से प्रकाशित। संपादक-राजेन्द्र तिवारी , आर.एन.आई नं. 47589/88 , डाक पंजीयन : MP/SDL/DN/-30/2015-17, दूरभाष : 09424315633,7389444833